जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 358 प्रभात कोटा, गुरुवार 10 अक्टूबर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हरियाणा के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत वहाँ क्या कर रहे थे, चुनाव के दौरान?

जब पार्टी के विद्रोही, हरियाणा में बगावत पर आमादा थे तो क्या इस वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने पार्टी के ज़मीनी हालात से हाईकमान को अवगत कराया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। यह प्रश्न नई दिल्ली से चंडीगढ़ और जयपुर तक पूछा जा रहा है कि हरियाणा चुनाव के दौरान पार्टी के सामने आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिये, हरियाणा के लिये पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत आखिर क्या कर रहे थे।

जब पार्टी महासचिव तथा हरियाणा प्रभारी बीमार थे तथा कोमा में थे, तो उस स्थिति में, विद्रोहियों, जो पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे थे, को संभालने के लिये, उनसे निपटने के लिये पर्यवेक्षकगण क्या कर रहे थे, तथा जो कुछ कुछ जमीनी स्तर पर हो रहा था, नेतृत्व को उसकी क्या जानकारी दी जा रही थी?

अशोक गहलोत और अजय माकन जैसे पर्यवेक्षक कहीं भी दिखाई या सुनाई नहीं दे रहे थे। किसी को भी नहीं मालूम, कि वे क्या कर रहे थे।

क्या गहलोत केवल किसी पद की फिराक में थे ताकि वे दुनिया को दिखा सकें कि उनका राजनैतिक अस्तित्व खत्म नहीं हुआ है?

- क्या अशोक गहलोत का हरियाणा जाने का मकसद केवल यह था कि जनता में यह मैसेज जाये कि वे पार्टी में अभी भी राजनीतिक दृष्टि से लुप्त नहीं हुए हैं, अभी भी अहमियत रखते हैं।
- यह ही स्थिति, दूसरे पर्यवक्षेक अजय माकन की थी।
- कुछ ऐसे ही सवाल के.सी. वेणुगोपाल के बारे में पूछे जा रहे हैं। जैसा कि विदित ही है, वेणुगोपाल को राहुल गांधी ने अपनी ''पावर ऑफ एटॉर्नी'' दे रखी है, उन्होंने हरियाणा में पाँच टिकट दिलवाये थे तथा पाँचों उम्मीदवार वहाँ हारे।
- अगर राहुल गांधी को पार्टी का सर्वोच्च नेता बने रहना है तो उन्हें अपने ''घर'' को संभालना होगा और उन सब पुराने लोगों को हटाना होगा जो आज के संदर्भ में मायने नहीं रखते और पार्टी के हित के खिलाफ काम कर रहे हैं। राहुल पार्टी का संचालन आउट सोर्स कर सकते हैं, अपने चाटुकारों को, उन्हें ''हैण्ड्स ऑन अप्रोच'' अपनानी पड़ेगी तथा पार्टी की मैली राजनीति में अपने हाथ गंदे करने पड़ेंगे।

और भूपिन्दर सिंह हूडा, जो उनके पुराने मित्र हैं, जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें क्या संरक्षण/प्रोत्साहन दिया जा रहा था।

वेणुगोपाल, राहुल गांधी द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी दे दिये जाने के कारण, पार्टी में सत्ता के एकमात्र केन्द्र बने हुये हैं। उन्होंने पांच लोगों को टिकट दिये थे तथा वे सब के सब चुनाव हार गये। इनमें एक महिला भी शामिल हैं, जो उनके निकट मानी जाती हैं, वे चौथे नम्बर पर रही हैं।

इस बड़ी पराजय के बाद, राहुल को अपने घर को व्यवस्थित करने की जरुरत है तथा फालतू लोगों, भाजपा-एजेंटों, अक्षम लोगों को हटा देने की जरुरत है, जो पार्टी हित के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

अगर राहुल सर्वमान्य नेता बने रहना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी के जिम्मेदारी पूर्ण काम बाहर के लोगों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

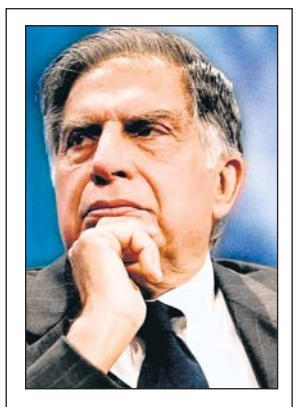

रतन टाटा नहीं रहे

मुंबई, 9 अक्टूबर। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है। उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। इससे पहले 7 अक्टूबर को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रतन टाटा ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेंसिव

- टाटा समूह के चेयरमैन 86 वर्षीय रतन टाटा ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अप्रत्याशित हार के बाद अपमान के घाव भी मिल रहे हैं कांग्रेस को

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने कांग्रेस को आँखे दिखानी शुरु कर दी हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस समय कांग्रेस केवल भाजपा से मिले चुनावी आघात एवं जख्म से ही नहीं, बल्कि इंडिया ब्लॉक के गठबंधन पार्टनरों से काफी हद तक अपमानित महसूस कर रही है।

हरियाणा में अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा को सत्ता से हटा पाने की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कांग्रेस के असफल रहने के बाद, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने इस 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' के विरुद्ध बड़े बोल बोलने शुरु कर दिए हैं। अरविन्द केजरीवाल की आप ने घोषणा कर दी है कि वह आगामी दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ेगी। उधर, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. की गठबन्धन पार्टनर शिव सेना ने अपने मुखपत्र ''सामना'' में अत्यन्त कटु सम्पादकीय लिखा है। सम्पादकीय कांग्रेस की आलोचना करते हुये कहता है कि कांग्रेस ने ''आन्तरिक अनबन'' और अति आत्मविश्वास एवं अधिकार मान लेने की भावना'' के फलस्वरुप, हरियाणा की स्पष्ट एवं सहज जीत का अवसर गँवा दिया है। उद्धव ठाकरे एम.वी.ए. के दोनों पार्टनरों पर दबाव बनाये हुये हैं कि

- लोकसभा चुनावों के अच्छे प्रदर्शन और फिर राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद कांग्रेस फूली नहीं समा रही थी तथा सहयोगी दल कुछ शांत से थे। हरियाणा चुनावों की हार से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को कांग्रेस पर उंगली उठाने का मौका मिल गया है।
- आप ने कह दिया है कि वो दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं सपा ने भी यू.पी. की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए 6 सीटों पर प्रत्याशियों की एकतरफा घोषणा कर दी।
- महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने अपने मुख पत्र सामना के संपादकीय में कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।

महाराष्ट्र के चुनावों से पहले मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाये। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस नेताओं से चर्चा किये बिना ही, इसी साल होने वाले 10 विधानसभा उपचुनावों की 10 में से 6 सीटों के लिये उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। आठ अक्टूबर को हुई चुनाव परिणामों की घोषणा को एक दिन भी नहीं हुआ, और घटनाक्रम ऐसे संकेत देने लगा है कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को हुआ लाभ, तथा उसके बाद, राहुल गांधी का नेता, प्रतिपक्ष बनना, इन दोनों ही उपलब्धियों का महत्व अब कम होने लगा है। इस अर्थ में, कांग्रेस की हरियाणा में हुई हार कांग्रेस के लिये राष्ट्रव्यापी महत्व रखती है तथा यह हार इस सोच को भी मजबूत कर रही है कि कांग्रेस जीती हुई लड़ाई भी हार जाती है।

जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लॉक की निर्णायक जीत का जिक्र करते हुये, ''सामना'' के सम्पादकीय में कहा गया है कि आप जैसे मित्र दलों से परामर्श न करना, हरियाणा में कांग्रेस के लिये महँगा साबित हुआ है। जहाँ तक आप नेताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

के.एस. मोटर्स प्रा. लि.: एम. आई. रोड: 7574808728, वैशाली नगर: 07942530977, वी.के.आई. रोड नं0 5: 9783384408, (ब्रांच):- कोटपुतली: 8852884871, 9166409090, शाहपुरा: 9001238949, 9461671901, लालसोट: 9414570752, महुआ: 9829552732, बस्सी: 7574808728, दूदू: 9929236333, विराटनगर: 9929373114, बांदीकूई: 9414517132, जोबनेर: 8094582000, जैतपुरा: 9460466992, 9828150910, दौसा: 8233279427, 9414045855, जयपुर: ऑटो वर्ल्ड टोंक रोड, प्रतापनगर: 8929653907, राजापार्क: 8929653907, (ब्रांच):- सवाईमाधोपुर: 8929653907, गंगापुरसिटी: 8929653907, टोंक: 8929653907, अलवर: जे.एस. फोरव्हील मोटर्स प्रा. लि. अलवर, बहरोड़, करौली: 8302658892, भिवाड़ी: 9289464947, धौलपुर/भरतपुर: 9625374409, सीकर: गहलोत मोटर्स प्रा. लि. सीकर: 9414039978, 9983086958, श्रीमाधोपुर: 7412074594, झुंझुनूं: 9414059948, उदयपुरवाटी: 9414039952, चिडावा: 7412049988, खेतड़ी: 9983560927, नीम का थाना: 9414033482, बीकानेर: बीकानेर मोटर्स प्रा. लि. बीकानेर/चूरू/सुजानगढ़: 8527241179 , उदयपुर: के.एस. ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. उदयपुर: 7574808555, आईओसी पेट्रोल पम्प, गोवर्धन विलास, उदयपुर: 9001317899, प्रतापगढ: 7727087373, 9001897397, बांसवाड़ा: 7727011069, 9773316278, 9773318630, 9773326964, 9950207844, डूंगरपुर: 9001297956, 8233009909, सागवाड़ा: 7726006927, 9929958164, चित्तौड़गढ़: 8003093548, 8233009810, 9001799790, 9773396753, 9116629684, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, रावतभाटा: 8233009810, आबूरोड़: 9116504111, 9928040209, सिरोही: 9929958177, 7727083939, 8529080964, भीलवाड़ा: भीलवाड़ा एग्रो ऑटो सर्विस (प्रा.) लि. भीलवाड़ा/बिजोलिया/राजसमन्द/भीम: 8875016206, कोटा: एवरग्रीन मोटर्स कोटा: 9654126004, 9928911655, क्यूब: 9654126004, 9829029755, बूंदी: 9654126004, 9829226555, बारां: 9654126004, 9829226655, झालावाड़: 9654126004, 9928922755, अजमेर: परम ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. अजमेर: 9205995747, किशनगढ़: परम महिंद्रा किशनगढ़: 9205995747, 9521815789, नागौर: नागौर ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. नागौर: 7291983310, 8003899701, (ब्रांच) मेड़ता : 7291983310, 9414119003, डेगाना : 7291983310, 9414603205, कुचामन सिटी : 7291983310, 9413385702, डीडवाना : 7291983310, 9829146228, छोटी खाटू : 8239343536, लाडनूं: 7291983310, 9314014841, गंगानगर: वी. डी. मोटर्स प्रा. लि. श्रीगंगानगर: 9672078696, 9672078697, 9414093025, 9414093041, सूरतगढ: 9672064445, 9414093016, अनूपगढ़: 9414093027, हनुमानगढ़: 9214093020, 9672064447, 9672058887, नोहर: 9672028885, जोधपुर: ओ. एस. मोटर्स जोधपुर: 9413078666, 7791960164, बाड़मेर: 7023067805, बालोतरा: 9664251725, जैसलमेर: 7340105190, फलोदी: 9413660844, पाली: 9610078677, सुमेरपुर: 9784839760, जालौर: 9772708668, भीनमाल: 9829809490, सांचौर: 9602664390, जैतारन : 9024835145, बासनी : 9829433352

विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। –धर्मवीर भारती

पोल की पोल खुल गई

हरियाणा चुनाव के नतीजों नें कई ख्यातनाम राजनीतिक समीक्षकों व एंकर्स की व बनावटी–ठकुर सुहाते एग्जिट पोल्स की पोल खोल कर रख दी। इस लेखक के एक मोटी बात समझ में आई कि भारत की राजनीति में सफलता की कुंजी है कि या तो समाज को विभिन्न जातियों में बांटो, एक दूसरी के विरुद्ध करो या फिर जातीयों का गठजोड़ करो।

हरयाणा के परिणामों में यह साफ झलकता है। एक बड़ी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जाती को यथासम्भव थोड़ा बहुत बांटो और अन्य कम जनसंख्या वाली जातियों को उसके विरुद्ध भड़काओ।जिस पार्टी नें ऐसा सफलतापूर्वक किया वह सत्तासीन हो गई और जो यह नहीं समझ सकी वह को दोष देकर खीज मिटा रहे है।

कांग्रेस की दयनीय स्थिति पर, नीतियों के खोखले पन पर तथा नेताओं के परिवारवाद व अहंकार के सम्बंध में इस लेखक का 29 मार्च, 2022 के राष्ट्रदूत में लेख प्रकाशित हुआ था, जो वर्तमानं में भी प्रसांगिक है। लेख का शीर्षक इस प्रकार है::––

आम आदमी प्रश्न पूछते है कि वह कांग्रेस से क्यों जुड़ा रहे या कोई नया व्यक्ति उस से क्यों जुड़े?

तब की जनसंघ व अब की भाजपा छोटी पार्टी थी तब इन्हें प्रतिक्रिवादी पार्टीयां कहा जाता था क्योंकि वे सरकार की हर अच्छी–बूरी योजना, कदम की आलोचना ही करती थी। यद्यपि इन पार्टियों ने कुछ मुद्दे ऐसे भी पकड़ रखे थे जिन्हें वे अपने हर चुनावी मैनिफेस्टो में दोहराते रहे है, जैसे– धारा 370, समान नागरिक संहिता व अन्य। जनसंघ, भाजपा की इन मुद्दों पर स्पष्टता थी, चाहे तत्समय आम जन मानस उसे स्वीकार नहीं करता था।

वर्तमानं में कांठोस वैसा ही कुछ कर रही है जैसा किसी जमाने में जनसंघ, भाजपा करती थी।

आज, आम जन को प्रभावित, आकर्षित करने के लिए कांग्रेस की कोई स्पष्ट और भाजपा से बहुत ज्यादा भिन्न विचारधारा नजर नहीं आती सिवाय उलझी सी धर्म निरपेक्षता पर कांग्रेस की राय के। यह राय भी भाजपा की ''सब का साथ, सबका विश्वास, सब का विकास'' नीति के सामने कुंद होती नजर आती है। जनसंघ, भाजपा उस समय छोटी पार्टियां जरूर थी किन्तु हर समय 20,30,50 लोगों के साथ ही सही, गली मोहल्लों में, आम आदमी से जुड़े बिजली, पानी, दफ्तरों में छोटे–मोटे भ्रष्टाचार के मुद्दों पर संघर्ष करती हुई, अपनी मौजदगी दर्ज कराती दिखती थी।

कांग्रेस प्रवक्ताओं के तो बड़े ही अजीब तर्क हैं––कभी बीजेपी के भी दो संसद थे, हमने उन्हें यहां हराया–वहां हराया–फिर हराएंगे–ध्रुवीकरण से जीते है, हिंद–मुसलमान करके जीते––क्या इन तर्कं से कांग्रेस का रिवाइवल हो जाएगा? नहीं। कांग्रेस के बड़े से बड़े नेताओं को सड़कों पर आना होगा––आगे कांग्रेस क्या करेगी, क्या विजन है, यह जनता को बताना होगा।

मात्र सरकार की आलोचना, प्रतिक्रियाएं देने से तो कम नहीं चलने वाला

आज भाजपा की यूएसपी मुख्यत: वे योजनाएं है जो किसी जमाने में कांग्रेस ने शरू की। टार्गेटेड राशन योजना कांग्रेस की देन किन्तु गरीब के राशन की चोरियां होती थी, इस से कोई इनकार नहीं कर सकता। आधार और पोश मशीन के कारण, अब इन चोरियों पर अंकुश लगा है। गरीब का राशन अब भी डीलर इधर–उधर करता है किंतु उसकी सहमति से।

मनरेगा एक्ट व योजना कांग्रेस की देन। नि:सन्देह एक अत्यंत अच्छी योजना थी किन्तु इसे कांग्रेसी नेताओं, कार्यकर्ताओं नें सभा, रैलियों में भीड़ इक्कठा करने का साधन बना लिया। कांग्रेस के मंत्री तक यह स्वीकार करते हैं। मस्ट्रोल्स में फर्जी नाम, बिना काम किए नाम होना, बिना काम हुए ही मस्ट्रोल्स भरना, पँचायत स्तरीय गुट बाजी के आधार पर अनावश्यक कामों का चयन और आवश्यक कामों का चयन न करने की आम शिकायतें थी। इन तरीकों से, इसमें पंचायत स्तर से लेकर ऊपर तक गबन होता था।

वही योजना अब भी लागू है, छोटा–मोटा भ्रष्टाचार अब भी है किंतु आधार और बैंक खातों में सीधे भुगतान नें उस पर अंकुश लगा दिया। कांग्रेस कहती रहे कि भाजपा सरकार ने मनरेगा बजट कम कर दिया वगैरा वगैरा, पर जनता ऐसी बातें अस्वीकार कर रही है।

स्वच्छ भारत योजना भी, टोटल सैनिटेशन कम्पेन के नाम से यूपीए सरकार में चल रही थी, किन्तु भाजपा सरकार ने इसे एक अभियान का रूप देकर घर–घर पहुंच दिया। सरकारी सहायता, न्यूनतम भ्रष्टाचार के साथ बेनेफसीयरी के पास सीधे बैंक खाते में पहुंच गई। कांग्रेस केवल यही आलोचना करती रही कि बिना पानी शौचालय किस काम के। ऐसी आलोचनाओं को आम आदमी अस्वीकार कर देता है।

भ्रष्टाचार समाज, देश, आमआदमी के लिए नासूर बन चुका। कांग्रेस की सरकारों का रिकार्ड इस बिंदु पर उज्ज्वल नहीं। कांग्रेस कुछ भी कहेगी, जनता बमुश्किल विश्वास करेगी। गिनी चुनी 1,2 जो सरकारें हैं, उनकी कार्यप्रणांली साफ करके इरादे तो जाहिर करें। राजस्थान में तो मंत्री तक मानते है कि''---इस प्रकार के काम बिना भ्रष्टाचार के सम्भव नहीं--'' यदि कांग्रेस के बड़े-छोटे नेता दैनिक समाचार पत्र पढ़ते हैं तो मन में तो वे भी मानते होंगे कि यहां नीचे से लेकर ऊपर तक भयंकर भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

आधार नम्बर की योजना के क्रियान्वयन को परवान चढ़ाया कांग्रेस नें। कई ख्यातनाम भाजपाइयों ने इसका पानी पी पी कर विरोध किया । सत्ता में आते ही उन्ही नेताओं ने इसके महत्व को समझा और आम आदमी के हित में उसका व्यापक स्तर पर उपयोग कर लिया। आम आदमी को मिलने वाली सारी सरकारी सहायताएं जैसे छात्रवृतियां, प्रधान मंत्री आवास योजना, प्रसूता सहायता, किसान सम्मान निधि राशि आदि आदि, सीधे बेनेफिसियरी के खाते में नकद, बिना बिचोलियों और छिज्जत के जाने लगी। किसको अच्छा नहीं लगेगा।

आम आदमी के लिए लोकतंत्र का मतलब चुनाव और उसके नजरिये से चुनाव हो रहे तो लोकतंत्र सुरक्षित। संस्थाएँ मतलब पँचायत, राशन डीलर, तालुका–जिला दफ्तर और वहाँ उसका काम बिना टके पैसे हो जाए तो संस्थाएं सही हैं। उसके आगे बड़े–बड़े वक्त कुछ भी कहें कि लोकतन्त्र–संस्थाएँ खतरे में, आम आदमी के लिए सब महत्वहीन है। कांग्रेस–विपक्ष समझे इस बात को।

आम आदमी प्रसन्न है, उसे उपरोक्त कामों के लिए किसी के आगे हाथ जोड़ते नहीं फिरना पड़ता। वह इसका श्रेय भाजपा को देता है। कांग्रेसी नेता गाला फाड़–फाड़ कर कहते रहें कि योजना उन्होंने शुरू की पर इनका सफल क्रियान्वयन कर भाजपा नें सिद्ध कर दिया––''जो सही ढंग से लागू करे सो आम खाए''।

आज भाजपा टीवी चैनल्स के माध्यम से, अपने गिने–चुने छुटभैये नेताओं से नैरेटिव सेट करवाती है, कांग्रेस उस पर उतावलेपन से रियेक्ट कर फंसती है। तीन तलाक के मुद्दे पर जहां भजपा स्पष्ट थी, कांग्रेस लगातार ढुलमुल दिखी।

हिंदुत्व के मुद्दे पर अनावश्यक बयानबाजी कर फंसती है जबकी आम आदमी अच्छी तरह जानता है धर्म क्या है और धर्म का सत्ता के लिए दुरुपयोग क्या है? सोची समझी रणनीति के अनुसार, काऊ विजिलेंट्स, मोब लिंचीन, पशुधन परिवहन व इसी प्रकार के धार्मिक भावनाओं से जुड़े मुद्दों को समय समय पर आवश्यक्तानुसर उछाला जाता है और कुछ समय बाद उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इन पर कांग्रेस की कोई धरातलीय नीति, कार्ययोजना नही है और न जो एलिमेंट्स ऐसा करते है उनका सशक्त विरोध की क्षमता है। कांग्रेस का सेवादल संगठन निष्क्रिय सा है। यह संगठन बजरंग दल, गौ रक्षा दल व अन्य ऐसे संगठनों का कैसे सामना कर सकता है?

शाहबानो केस, बाबरी मस्जिद ताला खोलने पर कांग्रेस नें गलतियां की–परिणाम भुगत रही है। धार्मिक उन्माद व दंगे के मुद्दे भी कांग्रेस को सहायता नहीं कर सकते क्योंकि कांग्रेस का भी दामन साफ नहीं है।

कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के लिए केवल राहुल गांधी की ओर अंगुली उठाना भी, सत्यता से मुंह मोड़ना है। माना की राहुल गांधी धुँवाधार भाषण नहीं दे सकते किन्तु जो अंगुली उठा रहे है, वे नेता क्या करते रहे है? के डर से सब दड़बों में छुपे है––राहुल, कम से कम, निर्भीकता से मुद्दे उठा तो रहे है।

भाजपा नेताओं के भाषणों में हर छोटी–बड़ी उपलब्धि का श्रेय मोदी जी को आदर के साथ दिया जाता है, कांग्रेस से अपने पूर्वप्रधानमंत्री नरसिम्हा राव व मनमोहन सिंह ऐसे आदरभाव का अभाव रहा।

क्या हो कांग्रेस की नई यूएसपी???? वर्तमानं सरकार की लोक हित नीतियों की मात्र आलोचना या उन्हें बन्द करने की बात नई यूएसपी नहीं हो सकती। मंहगाई का गली मोहल्लों तक विरोध हो सकती है बशर्ते इसे नियंत्रण का स्पष्ट रोड मैप साथ हो। अनेक कलिष्ट कानूनों का सरलीकरण, अनावश्यक कानूनों को समाप्त करना, लोकसभा–विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना, सरकारी नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत करना, सरकारी कामकाज में निर्णय बिना किसी प्रकार के धार्मिक अधरों पर तुष्टिकरण के करने का वादा, त्वरित न्याय सुलभ करवाना, इसका रोड मैप–––किसान कल्याण के लिए एमएसपी, इसे मंहगाई से जोड़ कर सतत रिवीजन हो और एमएसपी न मिलने से किसानों पर बढ़े कर्जे पर स्पष्ट नीति रखें–कृषि का बड़े स्तर पर विविधीकरण हो––कृषि जुड़ी नीतियों के निर्माण व क्रियान्वयन के साथ किसानों के संगठनों को जोड़ा जाए,उनकी राय ली जाए।

सैनिक कल्याण, कर्मचारी कल्याण, श्रमिक कल्याण, जनअभव –अभयोग निराकरण, निजीकरण, शिक्षा–पाठ्य पुस्तकों आदि पर स्पष्ट नीतियां घोषित करे, मात्र खाना पूर्ति वाली नीतियां, योजनाएं नहीं।

भ्रष्टाचार समाज, देश, आमआदमी के लिए नासूर बन चुका। कांग्रेस की सरकारों का रिकार्ड इस बिंदु पर उज्ज्वल नहीं। कांग्रेस कुछ भी कहेगी, जनता बमुश्किल विश्वास करेगी। गिनी चुनी 1,2 जो सरकारें हैं, उनकी कार्यप्रणांली साफ करके इरादे तो जाहिर करें। राजस्थान में तो मंत्री तक मानते है कि''---इस प्रकार के काम बिना भ्रष्टाचार के सम्भव नहीं--'' यदि कांग्रेस के बड़े–छोटे नेता दैनिक समाचार पत्र पढ़ते हैं तो मन में तो वे भी मानते होंगे कि यहां नीचे से लेकर ऊपर तक भयंकर भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

आज कांग्रेस के बारे में आम धारणा यह है कि यह केवल ट्विटिया, सोशल मिडिया पर पोस्ट्स तक सीमित, जागीरदारों की पार्टी मात्र है जहां आम कार्यकर्ता को कहा जाता है 25 साल रगड़ाई होगी तब कांग्रेस की रीतिनीति समझ आती है और तब बात सुनी जाएगी। आज का युवा क्यों आकर्षित हो ऐसी पार्टी की ओर जहां छोटे बड़े सारे पद परिवारों, रिश्तेदारों और पूर्णत: जागीरदार नेताओं पर आश्रितों लिए आरक्षित हों ?

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

आखिर कब रुकेंगे सड़क हादसे....

अविनाश जोशी

सड़क हादसे जिंदगी की रफ्तार को रोक देते हैं। परिवार टूट जाते है एवम कई बार तो यह प्रश्न होता है की आगे की जिंदगी कैसे जी जाएगी। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जिस दिन देश के किसी भी भाग में सड़क हादसा न हो और कुछ लोगों को जान से हाथ न धोना पड़े। अमूमन सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले आम जन होते हैं। इसलिए वे अखबारों की सुर्खियां नहीं बन पाते, जिससे उन दुर्घटनाओं पर लोगों का ध्यान भी नहीं जाता है। अनुमानत हमारे देश में हर मिनट में एक सड़क दुर्घटना होती है और हर तीन मिनट में सड़क दुर्घटना में एक जान जाती है। दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क हादसे भारत में ही होते हैं। जबकि चीन, रूस और अमेरिका जैसे कई देशों में भारत की अपेक्षा कहीं अधिक संख्या में कारें हैं। दुर्घटनाओं पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े दिल दहलाने वाले हैं। पिछले दस साल में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में लगभग चालीस प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इस अवधि में आबादी में सिर्फ बारह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ज्यादातर मौतें दो–पहिया वाहनों की दुर्घटना में हुई हैं और तेज व लापरवाही से वाहन चलाना उनकी वजह रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2021 की तुलना में सड़क दुर्घटना 11.9 फीसद, इसमें मृत्यु 9.3 फीसद और स्थायी अपंगता 15.3 फीसद की दर से बढ़ी है। राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस हाइवे पर दुर्घटना दर 36.2 फीसद और राज्य मार्गों पर 39.4 फीसद है। इन दुर्घटनाओं में मरने वाले 83.3 फीसद अपने परिवार को पालने वाले कामकाजी लोग थे।

आज के युग में विज्ञान ने मनुष्य का जीवन अत्यंत सरल बना दिया है उससे उतना कठिन परिश्रम नहीं करना पड़ता जितना पहले करना पड़ता था हर क्षेत्र में आज मनुष्य वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग करता है वाहन भी विज्ञान की ही देन है जिसके माध्यम से आज हम एक दूसरे स्थान तक आसानी से पहुंच जाते हैं परंतु इन्हीं भावनाओं के कुछ नुकसान भी है वायु को दूषित करने के अतिरिक्त सड़क दुर्घटना भी इन्हीं वाहनों की देन है। सड़क सुरक्षा के मानकों का महत्त्व समझना और समझाना दोनों जरूरी है, क्योंकि देश में सड़क नेटवर्क का तेजी से हो रहे विस्तार, गाड़ियों की संख्या में हो रही वृद्धि और शहरीकरण का नकारात्मक पक्ष सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आ चुका है। सड़क हादसों में होने वाली मौतें और अपंगता की बढ़ती संख्या ने यह सोचने पर विवश किया है कि क्या विकास की धुरी मानी जानी वाली सड़कें मौत का प्रमुख कारण और जगह बनती जा रही हैं?

हमारी सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। इस पर नियंत्रण के उचित कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही वाहनों की सुरक्षा के मानकों की समय–समय पर जांच होनी चाहिए। भारी वाहन और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को परमिट दिए जाने की प्रक्रिया में कड़ाई बरती जाए। ड्राइविंग लाइसेंस के लिए न्यूनतम शैक्षिणक योग्यता भी तय की जाए, साथ ही छोटे बच्चों और किशोरों के वाहन चलाने पर कड़ाई से रोक लगे। तेज रफ्तार, सुरक्षा बेल्ट का प्रयोग न करने वालों और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता अभियान चलाए जाएं, तभी भारत में सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लग पाएगी।

शहरों में लालबत्ती पार करने, अधिक रफ्तार से गाड़ी चलाने और आगे निकलने की प्रवृत्ति आम है। यह दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है। इससे सैकड़ों लोग घायल होते और मरते हैं। इसमें यातायात पुलिस की लापरवाही कम जिम्मेदार नहीं है। वहीं हादसा होने के बाद घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी घायल व्यक्ति की मौत का बड़ा कारण है, मगर आम लोग घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आते। राज्य सरकार की तरफ से घायल को तत्काल चिकित्सा और राहत पहुंचाने वाली सुविधाएं भारत में बहुत कम हैं। इससे भी घायल व्यक्ति की मौत असमय हो जाती है।

पिछले कुछ सालों में भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा संबंधी कई उपाय किए हैं। उनमें सुरक्षित बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहित करना, जागरूकता पैदा करना, सुरक्षा कानूनों का प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा सूचना का डेटाबेस तैयार करना जैसे उपाय शामिल हैं। इसके कुछ सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। मगर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं ने इन सारे उपायों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वजह है कि इन उपायों का पालन ठीक से नहीं कराया जा रहा है। कठोर कानून के बावजूद लोगों को उसका भय नहीं सतता, जिसका परिणाम प्रतिदिन सैकड़ों सड़क हादसों के रूप में सामने आता है। विडंबना ही कही जाएगी कि जो सुझाव सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते रहे हैं उन्हें मुस्तैदी के साथ पालन कराने के लिए यातायात पुलिस कुछ दिन तो काम करती है, लेकिन धीरे–धीरे फिर वही पुराना ढर्रा कायम हो जाता है। वरना क्या कारण है कि भारत में ही सबसे अधिक सड़क हादसे होते हैं?

विश्व के कुल वाहनों का महज दो फीसदी भारत में हैं, पर सड़क हादसों में होने वाली मौतें बारह फीसदी से ज्यादा हैं। दुनिया के तमाम देशों ने अपने कड़े सड़क कानून और जनजागरूकता अभियानों के जरिए सड़क हादसों में वृद्धि नहीं होने दी, लेकिन पिछले बीस सालों में सड़क दुर्घटनाओं की वजह से भारत में पचहत्तर फीसद से ज्यादा की वृद्धि हो चुकी है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में कितना सड़क कानूनों का पालन किया और कराया जाता है। सड़क सुरक्षा पर जारी की गई विश्व स्थिति रिपोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामले की मुख्य पांच वजहें बताई हैं। इनमें सीमा से ज्यादा तेज गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना, सुरक्षा पेटी न बांधना, दुपहिया चलाते वक्त हेलमेट न पहनना और बच्चों की सुरक्षा के उपायों की अनदेखी शामिल है।

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के मुताबिक नब्बे फीसदी हादसे ड्राइवर की गलती की वजह से होते हैं। इस पर यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या ड्राइविंग लाइसेंस देते वक्त कायदे से जांच–परख की जाती है? क्या सुरक्षा मानकों पर गाड़ियों की कड़ी जांच–पड़ताल होती है? ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर क्या और सख्ती होनी चाहिए? भारत में रोज तेरह सौ से ज्यादा सड़क हादसे होते हैं और हर दिन सड़क हादसों में करीब चार सौ मौतें होती हैं। सड़क हादसों में सालाना करीब बीस अरब डॉलर का नुकसान होता है। भारत में बारह करोड़ से ज्यादा वाहन हैं और इनके चलने के लिए पर्याप्त सडकें होना जरूरी है। सवाल यह है कि क्या सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोका जा सकता है?

जिस तरह देश–समाज की सुरक्षा वाले कानूनों का पालन महज दिखावा बन कर रह गया है वैसे ही यातायात नियमों की अनदेखी एक प्रवृत्ति बन गई है। यातायात नियमों का पालन, अतिरिक्त सावधानी, वाहन को नियंत्रित सीमा में रखना, पैदल यात्रियों का सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना, सड़कों को मानक रूप में बेहतर बनाए रखना और 'ओवरटेक' करने से बचना जरूरी है। सड़क सुरक्षा सप्ताहों में जिस तरह पुलिस यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को जागरूक और बाध्य करती है, वैसी जागरूकता हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाए, तो हादसों में कमी लाई जा सकती है।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

रूपनगढ़ चिकित्सालय में लाखों की सोनोग्राफी मशीन धूल फांक रही है

चिकित्सा विभाग की घोर लापरवाही, सोनोलॉजिस्ट नही होने के अभाव में मशीन बंद है

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पिछले 6 माह से सोनोग्राफी मशीन सोनोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण बंद पड़ी है, लेकिन चिकित्सा विभाग इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वैसे भी रूपनगढ़ चिकित्सालय की पूरी बिल्डिंग जगह–जगह से उधड़ गई है।

गौरतलब है कि 6–7 माह पहले राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने प्रसूता महिलाओं को हो रही परेशान को देखते हुये रूपनगढ़ चिकित्सालय में 45 लाख रुपये की लागत से विधायक कोष से सोनोग्राफी मशीन दी जो मशीन आज दिन तक बंद पड़ी है। उस समय मंत्री ने हाथों हाथ एक महिला चिकित्सक की नियुक्ति भी करवा दी लेकिन वह महिला चिकित्सक भी छुट्टियों पर है। अब ऐसे में प्रसूता महिलाओं का सोनोलॉजिस्ट नहीं होने के अभाव में यह लाखों रुपए की सोनोग्राफी मशीन कबाड़ हो रही है। मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मशीन तो अस्पताल में दे दी ग्रामीणों से वाहवाही तो लूट ली लेकिन आज तक इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया ना ही चिकित्सा विभाग के कोई अधिकारी ध्यान दे रहे हैं। वहीं चिकित्सालय की बिल्डिंग भी जगह–जगह से जर्जर हो गई है। जिसका एस्टीमेट भी बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है लेकिन इस और भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

■ सोनोग्राफी मशीन होने के बावजूद भी प्रसूता महिलाओं को भारी परेशानी हो रही है

तीन पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता मिली

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने प्रमाण पत्र दिये।

भीलवाड़ा, (निसं)। पाकिस्तान से आए तीन विस्थापितों के लिए मंगलवार का दिन खुशियां लेकर आया। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने तीन पाक विस्थापितों जिनमें अशोक, विजय कुमार और जोनी कुमार को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र दिए। सभी को राजनिष्ठा की शपथ दिलाने के बाद भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अशोक, विजय कुमार और जोनी कुमार ने कहा कि आज हमारी नागरिकता की मुराद पूरी हुई है, इससे बड़ा गर्व हमारे लिए क्या हो सकता है। केन्द्र व राज्य सरकार के साथ ही जिला प्रशासन को सभी ने धन्यवाद देते हुए आभार जताया। इस अवसर पर एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया भी मौजूद रही।

मेड़ता में रावदूदा की अष्टधातु से बनी मूर्ति स्थापित

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता शहर के संस्थापक और भक्त शिरोमणि मीरांबाई के दादा राव दूदा की अष्टधातु की अश्वरूढ़ प्रतिमा को बुधवार सप्तमी के पर जोधपुर के कलात्मक पत्थर से निर्मित फाउंडेशन पर विराजित किया गया।

राष्ट्रकूट कुलभूषण वीर शिरोमणि श्री राव दूदा मेड़ताधीश मूर्ति निर्माण समिति के अध्यक्ष महेशपालसिंह बड़ू, संयोजक विजयसिंह सिरसू, कोषाध्यक्ष छोटूसिंह भुनास, उपाध्यक्ष अभयसिंह भैंसडा, सचिव दिलीप सिंह बछवारी, सदस्य शिवप्रताप सिंह ईडवा, डॉ. गोविंदसिंह सहित सदस्यों ने उपस्थित होकर विधिवत पूजा–अर्चना कर मूर्ति स्थापित कराई। इस दौरान अध्यक्ष महेशपाल सिंह ने बताया कि जयपुर में बनी इस अष्टधातु की प्रतिमा का वजन तीन टन तथा ऊंचाई 16 फीट है, करीब एक वर्ष में बनकर तैयार हुई इस प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह देवउठानी एकादशी के बाद किया जाएगा। जयपुर शहर के आनंद कला निकेतन में बनकर तैयार हुई इस प्रतिमा को अलग–अलग हिस्सों में मेड़ता लाया गया। राजपूत समाज के वित्तीय सहयोग से निर्मित यह प्रतिमा राव दूदागढ़ भवन में स्थापित की गई है। बुधवार को इस मूर्ति का रसायन व कलर का कार्य शुरू किया गया है। इस अवसर पर जयपुर के मूर्तिकार विकास कुमार शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता धनसिंह राठौड़, मीरांबाई पैनोरमा प्रबंधक नरेंद्रसिंह जसनगर, नैनसिंह जोधा, दीपक कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

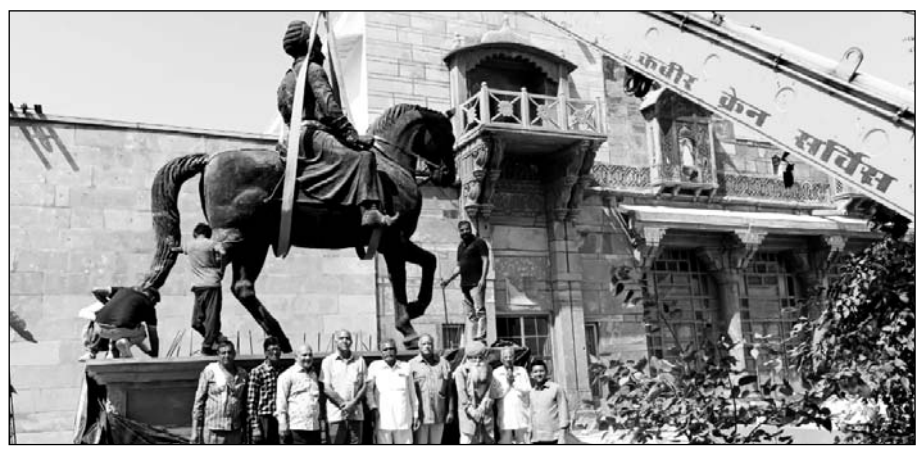

जोधपुर के कलात्मक पत्थर से निर्मित फाउंडेशन पर राव दूदा की मूर्ति को स्थापित किया।

अज्ञात हिंसक वन प्राणी के हमले से 22 भेड़ मरी

बौंली–बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के डूंगरवाडा ग्राम पंचायत के गुर्जर कोलेता गांव में अज्ञात हिंसक वन प्राणी के हमले से 22 भेड़ों की मौत हो गई एवं 16 घायल हो गई, जिनका मौके पर ही पशु चिकित्सा टीम द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना पर बामनवास थाना पुलिस, वन विभाग की टीम मय पशु चिकित्सा टीम के साथ मौके पर पहुंची एवं घायल भेड़ों का मौके पर प्राथमिक उपचार शुरू किया।

वनपाल जल सिंह ने बताया कि डूंगरवाडा ग्राम पंचायत के गुर्जर कोलेता का गांव के जयकिशन गुर्जर का 51 भेड़ों का झुंड बाड़े में बंधा हुआ था। रात्रि को किसी हिंसक वन प्राणी ने हमला कर बाड़े में बंधी 22 भेड़ों को हमला कर मार डाला एवं 16 को घायल कर दिया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम में शामिल सहायक वनपाल पंकज शर्मा व वनकर्मी अमर सिंह ने मौके पर जांच व पगमार्ग के आधार पर जंगली भेड़िया को इस हमले का आधार माना है।

राशिफल गुरूवार 10 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र शुक्रवार प्रात: 5:41 तक, अतिगंड योग रात्रि 4:36 तक, वणिज करण दिन 12:32 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–धनु, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–वृष, शुक्र–तुला, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज भद्रा दिन 12:32 से रात्रि 12:19 तक रहेगी। बुध तुला राशि में दिन 11:20 से प्रवेश करेगा। आज महा सप्तमी, सरस्वती पूजन, त्रिदिनात्मक दुर्गापूजन आरम्भ होगी और अन्नपूर्णा परिक्रमा दिन 12:32 से प्रारम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 12:14 तक, लाभ–अमृत 12:14 से 3:07 तक, शुभ 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 6:00

मेष

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वाल्मीकि महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित

रामगंजमंडी (निसं)।राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल राजा ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा की जम्बो कार्यकारिणी की मंगलवार देर रात घोषणा कर दी।जिसमें राजस्थान सहित असम बिहार उत्तराखंड उत्तरप्रदेश गुजरात हरियाणा पंजाब मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र कर्नाटक तेलंगाना पश्चिम बंगाल जम्मू कश्मीर ओडिसा हिमाचल प्रदेश दिल्ली व चंडीगढ़ सहित आदि 24 राज्यों व इंदौर मुम्बई कोलकाता लखनऊ कानपुर व हैदराबाद महानगरों के 221 वाल्मीकि पुरुष-महिला प्रतिनिधि सम्मिलित किये गए हैं।

संगठन के विस्तार व इसमें महिलाओं व युवाओं के प्रतिनिधित्व एवं सहभागिता को अधिक मजबूती देने के उद्देश्य से पहली बार माता सीता वाल्मीकि शक्ति वाहिनी व लव कुश वाल्मीकि सेना के नामकरण के साथ अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के दो अनुषांगिक संगठनों के गठन की घोषणा भी की गई है। महिला विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बिहार की एडवोकेट सुश्री गौरी वाल्मीकि को नियुक्त किया गया है।जबकि युवा विंग की जिम्मेदारी राजस्थान में झालावाड़ के वाल्मीकि युवा विजय कुमार भीम को दी गई है।कार्यकारिणी में 15 वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।जिनमें जबलपुर-मध्यप्रदेश की राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि,केंद्रीय राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त जयपुर की राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पंवार, उत्तरप्रदेश की पूर्व राष्ट्रीय आयोग सदस्या श्रीमती मंजू दिलेर सम्मिलित हैं।कार्यकारिणी में विभिन्न राज्यों के 16 उपाध्यक्ष 8 प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव तथा 16 राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए गए हैं।इसी प्रकार 16 संगठन महासचिव व 15 सचिव बनाये गए हैं।राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद पर कोटा के सेवानिवृत अधिकारी जयकुमार पाथरे को कार्यकारिणी में जगह मिली है। और कार्यालय प्रभारी सचिव का दायित्व रामगंजमंडी के नरेन्द्र राजा को दिया गया है।साथ ही 16 संयुक्त सचिव,16 संगठन सचिव,15 संगठन सह सचिव तथा 16 उप सचिव भी बनाये गए हैं।

'मुआवजे संबंधी शेष प्रकरणों का जल्द करें निस्तारण'

- नार्दन बाइपास फेज 2 के तहत अब तक 65 करोड़ 45 लाख की राशि का मुआवजा जारी
- जिन प्रकरणों में 10 लाख से अधिक की राशि का मुआवजा दिया जाना है, ऐसे प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए

बूंदी। तालेड़ा उपखंड क्षेत्र में निर्माणाधीन नार्दन बाईपास फेज-2 के तहत मुआवजा राशि वितरण की स्थिति तथा अवाप्त की गई भूमि का कब्जा प्राप्त करने संबंधी प्रगति की बुधवार को यहां आयोजित बैठक में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि नवीन भूमि अधिग्रहण की सभी कार्यवाही शीघ्र की जाए। साथ ही जिन व्यक्तियों की भूमि अधिग्रहित की गई है, उनमें से कोई भी मुआवजा राशि से वंचित नहीं रहे। नोताडा पटवारी को निर्देश दिए कि जिन काश्तकारों द्वारा जमीन अग्रहण के लिए सहमति दे दी गई है, उनसे सहमति पत्र प्राप्त कर उपलब्ध कराएं जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में 10 लाख से अधिक की राशि का मुआवजा दिया जाना है, ऐसे प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए।

उन्होंने बताया कि कुल मुआजवा राशि 78 करोड़ में से अब तक 65.45 करोड़ का मुआवजा जारी किया जा चुका है। उन्होंने निर्देश दिए कि शेष मुआवजे के लिए कार्यवाही कर शत प्रतिशत निपटारा सुनिश्चित किया जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिस भूमि का जीपीएस सर्वे पूर्ण हो चुका है, उनसे सम्बद्ध किसानों को अधिग्रहण के संबंध में समझाइश करें। उन्होंने निर्देश दिए कि नायब तहसीलदार तालेड़ा मुआवजे संबंधी कार्य की मॉनिटरिंग करे।

उन्होंने नार्दन बाईपास में अधिग्रहित जमीन के सभी खसरों की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि मुआवजे की सूची त्रुटि रहित हो और लंबित प्रकरणों की सुनवाई कर इनका शीघ्र निस्तारण किया जाए। जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिए कि अवाप्तशुदा भूमि का कब्जा सार्वजनिक निर्माण एनएच को कार्यक्रम बनाकर हस्तांतरित करना सुनिश्चित किया जाए। अवाप्तशुदा भूमि जिनका मुआवजा का भुगतान नहीं हुआ, उनका समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

बैठक में एनएच (पीडब्ल्यूडी) के अधीक्षण अभियंता जेपी गुप्ता ने बताया कि अवाप्ति की गई जमीन में से अब तक कुल 13 किलोमीटर में से लगभग 10.3 किलोमीटर का कब्जा प्राप्त कर लिया है।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, उपखण्ड अधिकारी बूंदी एचडी सिंह संबंधित क्षेत्रों के पटवारी मौजूद रहे।

छबड़ा प्लांट में दो घंटे तक प्रदर्शन किया

छबड़ा। छबड़ा थर्मल अधिकारी, कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में एचआर पॉलिसी को सार्वजनिक करने की मांग को लेकर प्लांट में दो घंटे का प्रदर्शन किया। ज्ञातव्य है कि विगत दिनों समिति द्वारा राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंधक निदेशक को पत्र भेजकर सात दिवस में पॉलिसी को सार्वजनिक करने की मांग की गई थीं। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि आरवीयूएनएल और एनटीपीसी के बीच हो रहे तीसरे संयुक्त उद्यम में छबड़ा थर्मल पॉवर प्लांट की 2320 मेगावाट क्षमता की मौजूदा इका यो के स्वामित्व हस्तांतरण को लेकर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में आरवीयूएनएल में अपने भविष्य की स्थिति को लेकर काफी ज्यादा असमंजस की स्थिति हैं। इस संयुक्त उद्यम में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए होने वाली एचआर पॉलिसी (जैसे सेवा नियम, वेतनमान नियम, कर्मचारियों और अधिकारियो के स्वीकृत पद, एनटीपीसी और आरवीयूएनएल के बीच सीटो का स्वीकृत सीट शेयरिंग आदि) और संयुक्त उद्यम ड्राफ्ट को शीघ्र सार्वजनिक करने की मांग को लेकर प्लांट गेट पर सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक प्रदर्शन किया गया।

रक्तदान के लिए प्रेरित किया

छबड़ा। क्लब प्रभारी डॉ. बिरधीलाल बैरवा ने बताया कि अमरचंद राजकुमारी बरडिया जैन महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के सदस्यों ने 'स्वेच्छा से रक्तदान करो' विषय पर जागरूक करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

पर्यावरण स्वीकृती आम सूचना

खननपट्टा हेतु चाहने हेतु आवेदित रेफरेंस नं.-20231000079149, दिनांक 25.03.2023 के लिए आवंटित खननपट्टा संख्या 3/2023 से आवेदक मैसर्स बनाम मिनरल्स प्रा. लि. पता-एफ 49, रिक्को इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, झालावाड़ (राज.) द्वारा खनिज लाइमस्टोन (डायमेन्शनल), लाइमस्टोन (डायमेन्शनल वेस्ट), मैसेनरी स्टोन क्षेत्रफल 2.2802 हैक्टेयर, निकटग्राम रुणजी, तहसील पचपहाड़, जिला-झालावाड़ (राज.) के पक्ष में राज्य स्तरीय पर्यावरण स्वीकृति पत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEACRaj/Sectt/Project/Cat.B1 (0425)/2023-24 Jaipur, Dated 30.09.2024 को जयपुर से पर्यावरण स्वीकृति जारी की गई है। सर्वसाधारण सूचित होवें।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3769 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 9.10.24

आवास संख्या 6-एफ-25 महावीर नगर तृतीय कोटा को आवंटन मंडल द्वारा श्री दिनेश कुमार जैन पुत्र श्री कन्हैयालाल जैन को किया गया। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती भंवर बाई पत्नी श्री आशाराम के नाम दिनांक 06.08.2002 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती भंवर बाई पत्नी श्री आशाराम द्वारा दिनांक 04.02.2003 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती भंवर बाई पत्नी श्री आशाराम द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 06.02.2009 को श्रीमती कृष्णा बाई पत्नी श्री महेश चन्द शर्मा को किया गया। श्रीमती कृष्णा बाई पत्नी श्री महेश चन्द शर्मा का नाम दिनांक 26.04.2012 को विक्रय पत्र के आधार पर मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्रीमती कृष्णा बाई पत्नी श्री महेश चन्द शर्मा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 03.05.2023 को श्रीमती सुशीला चौहान पत्नी श्री हेमराज सिंह को किया गया। श्रीमती सुशीला चौहान पत्नी श्री हेमराज सिंह द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 6-एफ-25 महावीर नगर तृतीय कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सुशीला चौहान पत्नी श्री हेमराज सिंह के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सुशीला चौहान पत्नी श्री हेमराज सिंह का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सुशीला चौहान पत्नी श्री हेमराज सिंह के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन, कोटा-324008

ऑनलाइन/ऑफलाइन निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:- 14164 (RVU2425GLOB01259) एक पोर्टेबल हाइड्रोजन मोइस्चर मीटर, 26152 (RVU2425GLOB01241) 100 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सीवरेज नेटवर्क के डिजाइन, इंजीनियरिंग और ईटीसी के लिए ईपीसी पैकेज का आरएंडएम कार्य, 20207 (RVU2425GLOB01252) रिंग ग्रैन्यूलेटर के स्पेयर्स, 13288 (RVU2425GSOB01270) ओटोमेटिक स्मोक, हीट डिटेक्शन सिस्टम की ईटीसी, 25132 (RVU2425GLOB01267) गैस्केट और सीएएफ ज्वाइंटिंग शीट, 26155 (RVU2425GLRC01264) वेरियस प्रिंटिंग स्टेशनरी और रजिस्टरों की छपाई, 15269 (RVU2425GLOB01246) सेरालाइन्ड कोल कम्पार्टमेंट नोजल, 15270 (RVU2425GLOB01245) एयर प्री हीटर्स के स्पेयर्स, 18303 (RVU2425GLOB01243) बस सेक्शनलाइजर बे के निर्माण के लिए 245 केवी सर्किट ब्रेकर व संबंधित उपकरण, 5319 (RVU2425WSOB01263) स्विचयार्ड, पावर ट्रांसफार्मर, रेक्टिफायर ट्रांसफार्मर तथा ई.एस.पी के इलेक्ट्रोनिक कन्ट्रोलर्स के रखरखाव, 5320 (RVU2425WSOB01261) फायर जत्था उपलब्ध कराना, 5321 (RVU2425WSOB01254) बेंड को हटाना, 5322 (RVU2425WSOB01260) क्लोरीन/हाइड्रोजन सिलेण्डरो एवं रसायन का परिवहन, विभिन्न नमूनो का संग्रहण, परीक्षण व रसायन विभाग संबधी अन्य विविध कार्य, 5323 (RVU2425WSOB01258) एच.टी./एल.टी. मोटर्स, एच.टी./एल.टी स्विचगियर, सी.एच.पी. के पैनल्स और कम्पलिट एलुमिनेशन सिस्टम के रूटिन/ब्रेकडाउन और केपिटल मेन्टेनेन्स, 5324 (RVU2425WSOB01247) कोल मिल रिजेक्ट के विक्रय, 5325 (RVU2425WSOB01253) एल पी केसिंग व इम्पेलर डिस्चार्ज फ्लेंज की रिपेयरिंग, 5326 (RVU2425WSOB01262) कोल हेण्डिलिंग प्लांट के संचालन के सहयोग में अतिरिक्त मेनपॉवर उपलब्ध कराना, 5327 (RVU2425WSOB01251) ट्रबाईन, हीट एक्सचेन्जर एवं उनकी ओक्जीलरी की मरम्मत, फ्लेंज ज्वाईन्ट व वाल्व की मरम्मत, कटींग, वेल्डिंग एवं पेन्टिंग, ई.ओ.टी. क्रेन की मरम्मत एवं परिचालन आदि विभिन्न कार्य, 5330 (RVU2425WSOB01248) बी.एच.ई.एल. व अन्य वाल्वो की रिपेयर/रिकन्डीशनिंग व विभिन्न प्रकार के वाल्वों की इन-सीटू मरम्मत, 5331 (RVU2425WSOB01250) नये एस. एस. के कोल नोजल टिप और कोल फिडर के आउट लेट होपर कनवेयर हेलिक्स व रिबन बनाना, 5332 (RVU2425WSOB01244) बी.सी.डब्ल्यु सिस्टम, सर्विस वाटर सिस्टम और पीने योग्य जल आपूर्ति और सीवरेज जल उपचार संयंत्र के लिए सभी पंप का रूटिन एवं ब्रेकडाउन मेन्टीनेन्स, 5333 (RVU2425WSOB01242) टॉयलेट ब्लॉक में टाइल, 20208 (RVU2425GSOB01256) गैल्वनाइज्ड स्टील वायर रस्सी होइस्ट/एप्रन, 20209 (RVU2425GSOB01265) रेलवे ट्रैक मेंटीनेन्स के स्पेयर्स, 15268 (RVU2425GSOB01240) मेटेलिक ओइल सील, 5328 (RVU2425WSOB01237) फायरवॉल का स्टेन्डर्ड प्रोटेक्शन सब्सक्रिप्शन एवं 5329 (RVU2425WSOB01239) स्लाइडिंग गेट लगाना। विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/6375 RVUN/PR-4069 मुख्य अभियंता (के.एस.टी.पी.एस.)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम तसनीम जुजर से बदलकर नया नाम तसनीम मुर्तजा श्यामवाला रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-तसनीम मुर्तजा श्यामवाला पत्नी मुर्तजा श्यामवाला मोब्यदपुरा सुनेल झालावाड़

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम मोहसिना से बदलकर नया नाम मोसिना रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-मोसिना पत्नी अब्दुल मजीद बंसल किराना की गली घोसी मोहल्ला किशोरपुरा कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम सकीना से बदलकर नया नाम सकीना बोहरा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-सकीना बोहरा पुत्री अजीज अली, खाईपाड़ा अन्ता बारां

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम RAZIA BEGAM से बदलकर नया नाम RAZIYA BEGAM रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-रजिया बेगम पत्नी अब्दुल लतीफ जयश्री विहार कैथून रोड कोटा

खेल मैदान पर सुविधाओं को लेकर ज्ञापन सौंपा

- मामले में संपर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है

बून्दी। खेल नीति के तहत राजस्थान में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा सभी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के खेल मैदानों को विकसित करने तथा उनमें खेल सुविधाऐं विकसित करने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, साथ ही सभी विद्यालयों के प्राचार्यों से खेल मैदानों की वस्तुस्थिति मांग कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराने की योजना भी बनाई गई हैं।

अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में स्थित खेल मैदान अतिक्रमण के शिकार है। शिक्षा विभाग की ओर से इस ओर खेल मैदानों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाएं गए है, जिसका खामियाजा विद्यार्थियों सहित आसपास के बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। इन मैदानो पर बाहर के लोगों का अतिक्रमण हो तो उसे हटाया जा सकता हैं, लेकिन स्थिति तब गंभीर हो जाती हैं जब विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा ही विद्यालय के खेल मैदान पर खेल सुविधाऐं विकसित करने की जगह मुनाफा कास्त पर खेती करवाई जा रही हों।केशवराय पाटन उपखंड के अड़ीला गांव के ग्रामीणों ने राजकीय नियमों की अवहेलना करते हुए राउमावि अड़भ्ला के खेल मैदान की भूमि को प्रधानाचार्य द्वारा जगह मुनाफा कास्त पर खेती करवाऐ जाने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच करवाने तथा खेल मैदान पर खेल सुविधाएं विकसित करने की मांग को लेकर जिला कलक्टर बून्दी को ज्ञापन सौंपा।

मामले में पूर्व में भी ग्रामीणों ने संपर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। ग्रामीण चेतन मीणा, मोहित सुमन, नरेन्द्र मीणा और विशाल ने संपर्क पोर्टल पर की गई शिकायत तथा जिला कलक्टर को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया गया है

एकदिवसीय जेण्डर-बजटिंग कार्यशाला संपन्न

बूंदी। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के द्वारा बुधवार को देवपुरा स्थित निजी रिसोर्ट में एक दिवसीय जेण्डर बजटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अतिरिक्त कोषाधिकारी अनिल जैन मुख्य अतिथि रहे।

विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर की अध्यक्षता में आयोजित जन चेतना आयोजन में यूनिसेफ और महिला सशक्तिकरण से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सर्वेश तिवारी और उमंग संस्थान के सचिव सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णकांत राठौर मुख्य वक्ता रहे। बतौर विशिष्ट अतिथि अकाउंटेंट एसोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा एवं जिलाध्यक्ष श्रीनाथ कारपेंटर ने शिरकत की।

मुख्य अतिथि जैन ने जेंडर बजटिंग के प्रति आयोजनों को महत्वपूर्ण सार्थक प्रयास बताते हुए प्रशिक्षण की दिशा में कार्यशीलता पर बल दिया। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर ने स्वागत उद्बोधन के साथ कार्यशाला की आवश्यकता और महत्व की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र में नागर ने कहा कि महिलाओं के समग्र विकास के लिए राज्य एवं देश का बजट जेण्डर आधारित हो, जिससे उनकी स्थिति में द्रुत प्रगति हो। मुख्य वक्ता डा0 सर्वेश तिवारी ने सत्र को संबोधित करते हुए जेंडर बजटिंग की विभिन्न परिप्रेक्ष्य में विवेचना करते हुए कहा कि लैंगिक भेदभाव की समाप्ति के लिए सामाजिक वातावरण निर्माण के साथ इस हेतु सुदृढ़ बजट निर्माण आवश्यक है, ताकि लैंगिक भेदभाव से उभार कर मातृ शक्ति को सशक्त किया जा सके।

सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कांत राठौर ने मुख्य वार्ताकार के तौर पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 पोश एक्ट पर कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए इस दिशा सकारात्मक वातावरण हेतु सशक्त प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि वर्मा ने आयोजन को दिशात्मक प्रयास बताते हुए सभी को संकल्पित होकर इस दिशा में कार्य करने के लिए आव्हान किया। कार्यशाला में डीएचईडब्ल्यू केन्द्र की जेण्डर स्पेशलिस्ट विनिता अग्रवाल ने सखी वन स्टॉप सेन्टर, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, इन्दिरा महिला शक्ति उड़ान योजना, उद्यम प्रोत्साहन योजना एवं विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओ की जानकारी दी। साख्यिकी विभाग से विकास ने 17 सतत विकास लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। विभाग के वरिष्ठ सहायक रविराज मिश्रण ने मंच संचालन एवं सहायक लेखाधिकारी केजार अली ने आभार प्रकट किया।

सफल आयोजन में विभिन्न विभागों से जुड़े लेखाधिकारी राकेश कुमार जैन, उपेन्द्र माहेश्वरी, सुरेन्द्र वर्मा, दुर्गाशंकर, त्रिशला जैन, सहित इन्दिरा महिला शक्ति केन्द्र से पूर्णिमा गौतम, प्रिया मिश्रण, सलोनी शर्मा, युगेश मूंदड़ा, आनन्द नवल आदि का सक्रिय योगदान रहा।

जोधपुर में ''कांगो फीवर'' ने दस्तक दी, महिला की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

पशुपालन से जुड़ी 51 साल की महिला सप्ताह भर से बीमार थी, अहमदाबाद में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया

- मंगलवार देर रात को रिपोर्ट में कांगो फीवर की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के गांव पहुंची
- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिजनों और आसपास के ग्रामीणों के ब्लड सैम्पल लिए
- बताया जा रहा है कि पशुओं के साथ रहने से कांगो फीवर का खतरा अधिक बढ़ जाता है

जोधपुर, (कास)। जोधपुर में ''कांगो फीवर'' ने दस्तक दी है। पशुपालन से जुड़ी 51 साल की महिला सप्ताह भर से बीमार थी। अहमदाबाद में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मंगलवार देर रात को रिपोर्ट में कांगो फीवर की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के गांव पहुंची और परिजनों और आसपास के ग्रामीणों के ब्लड सैम्पल लिए जा रहे हैं।

जोधपुर डिप्टी सीएमएच डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र के नांदड़ा कला गांव में एक 51 साल की महिला की 3 अक्टूबर को तबीयत खराब हो गई थी। परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए थे, जहां से उन्हें जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। यहां से तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अहमदाबाद के एक हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। वहां उनकी 8 अक्टूबर की सुबह मौत हो गई थी। इसके बाद महिला के ब्लड सैम्पल जांच के लिए पुणे भेजे गए थे। देर रात मंगलवार को महिला की रिपोर्ट आई थी, जिसमें उसे कांगो फीवर की पुष्टि हुई थी।

डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि महिला के कांगो फीवर की रिपोर्ट आते ही मेडिकल टीम अलर्ट हो गई थी। बुधवार सुबह जल्दी टीमों को नांदड़ा गांव भेज दिया गया। पूरे गांव में सर्वे करवाया जा रहा है। साथ ही महिला के सभी परिजनों के सैम्पल लिए गए हैं। डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि जोधपुर में कांगो फीवर का मामला साल 2019 में सामने आया था। उस समय तीन बच्चों में इस फीवर के लक्षण नजर आए थे। साथ ही दो रोगियों की मौत भी हुई थी। जोधपुर में पहली बार वर्ष 2014 में कांगो फीवर के मरीज सामने आए थे।

अधिकारियों ने बताया कि कांगो फीवर ने पीड़ित महिला पशुपालन से जुड़ी हुई थी। बताया जा रहा है कि पशुओं के साथ रहने से कांगो फीवर का खतरा अधिक बढ़ जाता है। पशुओं की चमड़ी के चिपके रहने वाला हिमोरल (किलनी) नामक परजीवी इस रोग को बढ़ाता है। कांगो फीवर को संक्रमण से रोगी को बुखार का एहसास होता है और उसके शरीर की मांस पेशियों में दर्द होता है। उसे चक्कर आते हैं, सिर दर्द करता है, आंखों में जलन और रोशनी से डर लगने लगता है।

सिंह ने बताया कि महिला के संपर्क में आने वाले सभी लोगों की हिस्ट्री खंगाली जाएगी। उन्हें 15 से 20 दिन तक सर्विलांस पर रखा है। 2019 में जो केस आए थे वैसा ही केस सामने आया है। गांव में मवेशियों के सैंपल लिए गए हैं। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पशुपालन विभाग के साथ मिलकर आगे की कार्य योजना बनाई जाएगी।

दस हजार रुपए की रिश्वत लेते शिक्षाकर्मी गिरफ्तार

साथी शिक्षाकर्मी का पेंशन प्रकरण तैयार कर भेजने की एवज में 20 हजार की रिश्वत मांगी थी

बिछीवाड़ा ब्लॉक अन्तर्गत आरा स्कूल के शिक्षाकर्मी को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी डूंगरपुर ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते बिछीवाड़ा ब्लॉक में आरा स्कूल के शिक्षाकर्मी को बुधवार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। नौ महीने पहले रिटायर्ड हुए साथी शिक्षाकर्मी के पेंशन प्रकरण को तैयार कर भेजने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत के मांग की जा रही थी।

एसीबी के डीएसपी रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि बिछीवाड़ा ब्लॉक के एक रिटायर्ड शिक्षाकर्मी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि वह 31 जनवरी को शिक्षाकर्मी की पोस्ट से रिटायर्ड हुआ है। इसके बाद पेंशन प्रकरण तैयार करने के लिए गवर्नमेंट अपर प्राईमरी स्कूल आरा का साथी शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत पर एसीबी की ओर से पुष्टि करवाई गई। जिसमें शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड की ओर से रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इस पर एसीबी ने ट्रैप का जाल बिछाया। शिक्षाकर्मी ने रिश्वत की राशि के लिए सिंटेक्स तिराहे पर बुलाया। जिस पर एसीबी की टीम सिंटेक्स पहुंची। पीड़ित शिक्षाकर्मी ने 10 हजार रुपए की रिश्वत की राशि आरोपी शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड को दी। ईशारा मिलते ही एसीबी की टीम पहुंच गई और शिक्षाकर्मी रमेशचंद्र कोटेड को पकड़ लिया। एसीबी की टीम ने शिक्षाकर्मी के पास से रिश्वत में दिए 10 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं। आरोपी शिक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर रिश्वत की रकम और किसी को देने के लिए ली थी या नहीं इस बारे में पूछताछ रही है।

ड्रोन के जरिये सीमा पार से पहुंची थी हेरोइन, तस्करों से पूछताछ में कई खुलासे

- संयुक्त जांच एजेंसियों की तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि पाक में बैठे तस्कर ने ही हेरोइन को गिराने की लोकेशन तय की थी
- तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि इसके पैसों का लेनदेन हवाला के जरिए दुबई से किया गया था
- खाजूवाला बॉर्डर एरिया में बीएसएफ ने एक ड्रोन और करीब 11 करोड़ की 2 किलो हीरोइन बरामद कर छह तस्करों को गिरफ्तार किया था

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला बॉर्डर एरिया में सीमा पार से गत 2 अक्टूबर को ड्रोन के जरिए पहुंचाई गई 11 करोड़ रुपये की हेरोइन को लेकर संयुक्त जांच एजेंसियों द्वारा तस्करों से की गई पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। संयुक्त जांच एजेंसियों की तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि पाक में बैठे तस्कर ने ही हेरोइन को गिराने की लोकेशन तय की थी और इसके पैसों का लेनदेन हवाला के जरिए दुबई से किया गया था।

गौरतलब है कि खाजूवाला बॉर्डर एरिया में बीएसएफ को नीलकंठ पोस्ट के पास एक ड्रोन और करीब 11 करोड़ रुपये की 2 किलो हीरोइन बरामद हुई थी। इस मामले को लेकर पुलिस और बीएसएफ ने 6 तस्करों को गिरफ्तार किया था। पुलिस, सीआईडी आईबी, बीएसएफ द्वारा तस्करों से 2 दिन की पूछताछ के बाद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हेरोइन तस्करी की डील पंजाब में बैठे मुख्य तस्कर ने पाकिस्तानी तस्कर से की थी। इस काम के लिए उन्होंने हाल ही में रोहतक जेल से छूट बलदेव सिंह को केरियर बनाया था। सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ था और एक लाख रुपए अहमद ने दुबई से हवाला के जरिए बलदेव के बताए गए बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए थे लेकिन बीएसएफ पुलिस की चौकसी के चलते तस्कर अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाए।

बताया जा रहा है कि बलदेव सिंह पिछले एक साल से पाकिस्तानी तस्कर अहमद के संपर्क में था। पुलिस ने इस मामले में पंजाब के फाजिल्का के बलजीत सिंह, हरभजन सिंह, अमरीक सिंह, मस्तान सिंह और हनुमानगढ़ निवासी महेंद्र सिंह और परगट सिंह को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य आरोपी तारासिंह अभी फरार चल रहा है। मामले की जांच छतरगढ़ थाना प्रभारी संदीप कुमार कर रहे हैं। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार ड्रोन का इस्तेमाल तस्करों द्वारा तेजी से किया जा रहा है, क्योंकि यह सीमा पर लगे कड़े सुरक्षा इंतजामों को चकमा देने का एक नया तरीका है। सुरक्षा एजेंसियों ने हाल के महीनों में ऐसे कई ड्रोन पकड़े हैं, जिनके जरिए नशीले पदार्थ और हथियार भारतीय क्षेत्र में भेजे जा रहे हैं। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने सीमा पर निगरानी और सख्त कर दी है। ड्रोन के खिलाफ लड़ाई को और कारगर बनाने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि तस्करों के इन प्रयासों को विफल करने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह से सतर्क हैं और इस तरह की घटनाओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

देवर ने भाभी पर चाकू से हमला किया

उदयपुर, (कासं)। आपसी कहासुनी के दौरान देवर चाकू से हमला कर भाभी को घायल कर फरार हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित आयड़ छीपा कॉलोनी निवासी मो. इमरान पुत्र उस्मान खां ने अपने छोटे भाई सरफराज के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता ने बताया कि 8 अक्टूबर रात में घर पर थी। इस दौरान किसी बात को लेकर विवाद होने पर आरोपी मेरी पत्नी मदीना (30) पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। हमले में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

पुलिस चौकी से वाहन चोरी

टोंक, (निसं)। मेहन्दवास थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बरवास चौकी परिसर से सरकारी मोटरसाईकिल चोरी हो जाना बताता है कि क्षेत्र में चोरो के हौसले कितने बुलन्द है। इस मामले में जहां थाना मेहन्दवास में वाहन चोरी हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई, वही बरवास चौकी पर नियुक्त हेड कानि. फैलूराम व साथ कानि. राजेश को सस्पेंड भी किया गया है।

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय की महापंचायत कल

झुंझुनूं। मुस्लिम न्याय मंच झुंझुनूं द्वारा आयोजित मुस्लिम महापंचायत 11 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित ईदगाह मैदान में होगी, जिसे लेकर झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय में उत्साह का माहौल है। यह महापंचायत उप चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऐतिहासिक होने वाली है।

संयोजक इमरान बड़गुजर ने बताया कि कार्यक्रम में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायतों के लोग एवं बगड़ नगरपालिका और जिला मुख्यालय के सभी मुस्लिम समुदाय के नगरपालिका चेयरमैन, पूर्व चेयरमैन, सरपंच, पूर्व सरपंच, ब्लॉक मेंबर, पूर्व ब्लॉक मेंबर, पार्षद, पूर्व पार्षद, जिले के जनप्रतिनिधि, जमीयत उलेमा ए हिंद राजस्थान के प्रदेश महासचिव मौलाना वाहिद खत्री, पूर्व जिला कलेक्टर असफाक हुसैन, राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार और उलेमा हजरात भी महापंचायत में शिरकत करेंगे। बड़गुजर ने बताया कि होने वाले झुंझुनूं विधानसभा के उप चुनाव के संदर्भ में मुस्लिम समाज की सभी 30 बिरादरी के लोग एक जाजम पर बैठकर सामाजिक एवं चुनावी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। न्याय मंच के सहसंयोजक उस्मान खान मालीगांव ने झुंझुनूं के सभी मुस्लिम समाज के लोगों से महापंचायत में आने की अपील की है।

थाने में फरियादी महिला एवं बेटे के साथ एएसआई ने दुर्व्यवहार किया

न्याय दिलाने की मांग को लेकर पीड़िता एसपी कार्यालय पहुंची

- एफआईआर की कॉपी लेने थाने गई थी फरियादी महिला एवं बेटा
- एएसआई पर अश्लील गालियां देने का आरोप, एसपी से गुहार लगाई

भीलवाड़ा, (निसं)। कारोई थाने में दर्ज मामले की एफआईआर की निःशुल्क कॉपी लेने गए फरियादी मां व बेटे के साथ थाने के एएसआई ने दुर्व्यवहार कर, डरा-धमका कर अश्लील गालियां निकाली। महिला ने एएसआई पर अश्लील गालियां देने का आरोप लगाया है।

पीड़िता कृष्णा देवी शर्मा पत्नी प्रकाश शर्मा निवासी झबरकिया (सहाड़ा) ने बताया कि दो अक्टूबर को गांव के ही कुछ दबंगों ने पुरानी रंजिश को लेकर उनके निवास स्थान पर अनाधिकृत प्रवेश कर घर में गुंडागर्दी करते हुए तोड़फोड़ एवं मारपीट की, जिसकी सूचना उन्होंने कारोई थाने में दी, लेकिन थाने वालों ने प्राथमिकी दर्ज करना तो दूर, उन्हें डराकर भगा दिया। इसके पश्चात उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गंगापुर से फरियाद की और उनके आदेश से प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद कृष्णा देवी शर्मा एवं उसके बेटे राहुल ने कारोई थाने जाकर अनुसंधान अधिकारी एएसआई ओमप्रकाश मीणा से उन्हें दर्ज मामले की एफआईआर की निःशुल्क प्रतिलिपि देने का अनुरोध किया। इस पर गुस्से में मीणा ने उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए अश्लील गालियां दी और कहा कि तुमने एएसपी साहब गंगापुर के यहां रिपोर्ट क्यू दी और उन्हें थाने में डराया-धमकाया गया। पीड़िता कृष्णा देवी पत्नी प्रकाश शर्मा ने बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक मुख्यालय को रिपोर्ट देकर कारोई थाने के एएसआई ओमप्रकाश मीणा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करवाने एवं उनके मामले की जांच अन्य सक्षम अधिकारी से करवाने की मांग की है।

जोधपुर के पहले जी.आई.एस. तकनीक आधारित ग्रिड सब-स्टेशन का संचालन शुरू

- 200 एम.वी.ए. क्षमता के जी.आई.एस. तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाड़ का संचालन शुरू किया
- आबादी वाले स्थानों में जहां जगह की काफी कमी है व बिजली का लोड काफी अधिक है, वहां ऐसे जी.एस.एस. स्थापित किये जाते हैं : नथमल डिडेल

जयपुर। राजस्थान में बिजली प्रसारण तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये विद्युत प्रसारण निगम ने जोधपुर शहर के पहले 200 एम.वी.ए. क्षमता के गैस इन्सुलेटेड सब-स्टेशन (जी.आई.एस.) तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाड़ का संचालन शुरू कर दिया गया है।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि जोधपुर शहर के बनाड़ में 132 केवी ग्रिड-स्टेशन पूर्व में स्थापित था परन्तु लोड अधिक होने से इसे काफी समय से क्रमोन्नत करने की आवश्यकता महसूस हो रही थी परन्तु यहां स्थानाभाव के कारण पारम्परिक 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाना संभव नहीं था। इसलिए जी.आई.एस. तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन बनाने का निर्णय हुआ। जी.आई.एस. ग्रिड सब-स्टेशन पारम्परिक ग्रिड सब-स्टेशन की तुलना में काफी कम स्थान में स्थापित हो जाते हैं। आबादी वाले स्थानों में जहां जगह की काफी कमी है व बिजली का लोड काफी अधिक है, वहां ऐसे जी.एस.एस. स्थापित किये जाते हैं।

इस जी.एस.एस. पर करीब 52 करोड़ रूपये का व्यय आया है एवं ग्रिड सब-स्टेशन के निर्माण से लगभग 25.32 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत में कमी संभावित है, जिससे लगभग 101.28 लाख रूपये प्रतिवर्ष राजस्व में बचत अपेक्षित है। इससे बनाड़, सूरपूरा एवं जोधपुर शहर में विद्युत आपूर्ति में समुचित सुधार होगा। प्रबन्ध निदेशक डिडेल ने प्रसारण निगम के अभियन्ताओं एवं कर्मचारियों को जोधपुर शहर के पहले जी.आई.एस. तकनीक आधारित 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन का संचालन शुरू करने पर बधाई दी है।

बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने सफाई अभियान निरीक्षण के दौरान स्पा सेंटर पर छापा मारा

स्पा सेंटर का दरवाजा तोड़कर कर मौके से दो युवक और पांच युवतियों को हिरासत में लिया

- कलेक्टर ने देह व्यापार की आशंका जता पुलिस अधिकारियों को मामला दर्ज करने के निर्देश दिए

बाड़मेर, (निसं)। जिला कलेक्टर टीना डाबी के निर्देशों पर पुलिस टीम ने शहर के एक स्पा सेंटर पर दरवाजा तोड़कर कर बड़ी कार्रवाई करते हुए मौके से दो युवक और पांच युवतियों को हिरासत में लिया है। कार्यवाही के दौरान जिला कलेक्टर टीना डाबी मौके पर मौजूद रही। पुलिस की कार्रवाई से शहर के स्पा संचालकों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने शहर में सफाई अभियान के निरीक्षण के दौरान एक स्पा सेंटर पर भी छापा मारा। कलेक्टर को देखकर सेंटर मालिक ने अंदर से लॉक लगा लिया। जब काफी कोशिश के बाद भी उसने गेट नहीं खोला तो कलेक्टर डाबी भड़क उठी और यूआईटी अधिकारियों की मदद से गेट तोड़ दिया। स्पा सेंटर से पांच लड़कियों सहित सात लोगों को हिरासत में लिया। कलेक्टर टीना डाबी ने देह व्यापार की आशंका जताते हुए पुलिस अधिकारियों को मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार शहर में नवो बाड़मेर अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को सुबह नौ बजे चामुंडा सर्किल से चौहटन सर्किल पर सफाई की जा रही थी। इस दौरान करीब नौ बजे जिला कलेक्टर टीना डाबी भी पहुंची। कलेक्टर और प्रशासनिक अधिकारियों को देख स्पा सेंटर संचालक ने मुख्य दरवाजे के साथ एंट्री गेट को बंद कर दिया था। इस पर टीना डाबी को शक हुआ तो उन्होंने सेंटर संचालक को गेट खोलने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माना। वे करीब 30 मिनट तक यहां खड़ी रही। डाबी ने बाहर से फटकार लगाते हुए कहा कि छुप क्यूं रहा है। अब तो मैं तब तक खड़ी रहूंगी जब तक गेट नहीं खुल जाए। चाहे दरवाजा तोड़ना पड़। गेट तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाड़मेर शहर के अतिरिक्त कलेक्टर राजेंद्र चांदावत सेंटर के अंदर छत पर मौजूद दूसरे गेट से घुस गए। सेंटर का एक गेट बाहर से तोड़ा गया व दूसरा अंदर से एडीएम ने खोला। इसके बाद अंदर घुसे अधिकारियों ने वहां मौजूद सात लोगों को हिरासत में लिया।

सदर थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को वेरिफिकेशन के लिए कोतवाली थाने भेजा गया है। दो लड़के और पांच लड़कियों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि इन पांच लड़कियों में से ही कोई एक स्पा संचालक है, जिसकी जानकारी जुटाई जा रही है। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि पुलिस को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए है। साथ ही जिला पुलिस अधीक्षक को शहर में अन्य जगहों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ कार्यवाही के लिए कहा है।

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-LALSOT

File No. 1298-1305 **Notice Inviting Bid** Date 01.10.2024

Bids for various CD Work & Building maintenance work Under Pwd Division Lalsot District Dausa of Nit No. 08 Year 2024-25 of Procurement are invited from interested bidders upto 12.30 PM (time) 01.10.2024 to 14.10.2024 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.eproc.rajasthan.gov.in "http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and "http://www.pwd.rajasthan.gov.in" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 236.22 Lacs

NIB Code- PWD2425A1982

1. PWD2425WSOB07291
2. PWD2425WSOB07294
3. PWD2425WSOB07295

Executive Engineer
PWD Division-Lalsot

DIPR/C/9570/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक- 1620-1628 दिनांक-04.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला गंगापुर सिटी (खण्ड टोडाभीम) में सड़क/भवन कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

1. UBN NO. PWD2425WSRC07336, 2. UBN NO. PWD2425WSRC07339,
3. UBN NO. PWD2425WSRC07340, 4. UBN NO. PWD2425WSRC07342

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/9605/2024

Rajasthan Council of School Education

S. Radha Krishnan Shiksha Sankul, 5th Block, 2nd & 3rd Floor, JLN Marg, Jaipur - 17

क्रमांक :- राजस्कूलशिप/आईसीटी/VSK हॉर्डवेयर/2024-25/3448 दिनांक :- 07/10/2024

NOTICE INVITING e-BID (NIB : 14/2024-25)

Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning of Hardware Equipments for Vidya Samiksha Kendra with comprehensive on-site warranty for three years up to 06:00 PM of dated 16.10.2024. Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in** or website **"www.rajsmsa.nic.in"** or E-Proc portal.

U.B.N. : RSE2425GLOB01349
Estimated cost : 1,70,07,000/-

State Project Director
RCScE, Jaipur

Raj.Samwad/C/24/6343

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय

सेक्टर-18, कुम्भा मार्ग, प्रतापनगर, जयपुर- 302018 (राज.)
दूरभाष: 0141-2795527 वेबसाईट : www.ruhsraj.org

F11()Pre Cell/RUHS/2024/20686

NOTIFICATION

M.Sc (Med) Entrance Exam. 2024
and
RUHS Ph.D Admission Test 2024

Rajasthan University of Health Sciences (RUHS) invites online applications from eligible candidates for admission (through computer-based test) to M.Sc. (Med) course (2024) and Ph.D. Programme (2024, in faculty of Medicine, Dentistry and Pharmacy) in colleges affiliated to RUHS. Online application form can be filled at RUHS website **(www.ruhsraj.org)** from 10.10.2024 to 05.11.2024. The tentative date for conduct of admission test will be notified later. Applicants are required to refer RUHS website for information booklet, eligibility criteria, application form fee etc. and visit the website **www.ruhsraj.org** regularly for future notifications / updates.

Chairman
Entrance and Recruitment Cell, RUHS

Raj.Samwad/C/24/6377

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर

क्रमांक-911 दिनांक-04.10.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 11/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 16.10.2024 को 06.00 बजे तक।

S.No.	UBN NO.
1	PWD2425WSOB07371
2	PWD2425WSOB07373
3	PWD2425WSOB07375

(अंकित बिन्दल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

DIPR/C/9655/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर

क्रमांक-अ.अ./चि.एवंस्वा/2024-25/2158-68 दिनांक-02.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 10/2023-24

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 197.20 लाख के 3 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र मे ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया ऑन लाई निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण डीआईपीआर की वेब साईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB NO. NRH2425A0311

1. NRH2425WSOB01204, 2. NRH2425WSOB01206, 3. NRH2425WSOB01209

(रणवीरसिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/9581/2024

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसांमंमं/2024-25/2569 दिनांक:-07.10.2024

-: ई- निविदा सूचना संख्या-17/2024-25:-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा **construction of BT Road Devda Peepli to Koshital Road** (अनुमानित लागत 40.67 लाख) निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष व योग्य संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदाप्रपत्र व सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें इन्टरनेट वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** तथा **www.sppp.raj.nic.in** पर दिनांक 11.10.2024 को प्रातः 09:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 21.10.2024 सायं 06:00 बजे तक ऑनलाईन जमा किये जा सकते है। निविदाओं का निविदा शुल्क, धरोहर राशि व प्रोसेसिंग फीस श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल के बैंक ऑफ बडौदा, शाखा-मण्डफिया के खाता क्रमांक-52430100000001 IFSC-BARBOMANDPH में RTGS/NEFT/IMPS के माध्यम से जमा करवानी होगी। प्राप्त निविदाओं का तकनिकी निविदाएं दिनांक 22.10.2024 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

UBN-SMM2425WSOB00079

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

एस.ओ.जी. ने आर.पी.ए. से पांच ट्रेनी एस.आई. को हिरासत में लिया

- दिनेश और प्रियंका के पिता अफीम तस्कर भागीरथ विश्नोई ने गोपाल सारण को एसआई भर्ती पेपर के लिए 15 लाख रुपए दिए थे।
- गोपाल सारण ने अपने भाई भूपेंद्र सारण से पेपर लेकर परीक्षा से पहले जयपुर के हीरापुरा में प्रियंका को दिया था।

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में बुधवार को जयपुर में राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) पहुंचकर 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया। एसओजी ने इनसे पूछताछ करने में जुटी है। पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी संभव है। मामले में अब तक 45 ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गौरतलब है कि दो दिन पहले रविवार को एसओजी ने आरपीए में ट्रेनिंग कर रहे दो ट्रेनी एसआई सगे भाई-बहन दिनेश (27) और प्रियंका (28) को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में पता चला कि पेपर लीक से जुड़े और भी ट्रेनी एसआई ट्रेनिंग ले रहे हैं। पूछताछ में मिली जानकारी के बाद एसओजी ने जांच शुरू की। बुधवार सुबह 8 बजे एसओजी की टीम आरपीए स्थित ट्रेनिंग सेंटर पहुंची, जहां से 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लेकर एसओजी मुख्यालय लाया गया है।

पेपर लीक केस में पकड़े गए दिनेश और प्रियंका के मामले में कई खुलासे हो चुके हैं। दिनेश और प्रियंका के पिता भागीरथ विश्नोई की मुलाकात साल 2021 में जोधपुर जेल में भूपेंद्र सारण के भाई गोपाल सारण और ओमप्रकाश फौजी से हुई थी। भागीरथ विश्नोई एनडीपीएस के एक केस में जेल गया हुआ था। इस दौरान गोपाल सारण ने भागीरथ विश्नोई को उसके बेटे-बेटी के लिए एसआई भर्ती का पेपर दिलाने की बात कही थी।

अफीम तस्कर भागीरथ विश्नोई ने गोपाल सारण को एसआई भर्ती पेपर के लिए 15 लाख रुपए दिए थे। गोपाल सारण ने अपने भाई भूपेंद्र सारण से पेपर लेकर परीक्षा से पहले जयपुर के हीरापुरा में प्रियंका को दिया था। दूसरी शिफ्ट का पेपर दिनेश के मोबाइल पर भेजा। जांच में पुष्टि होने के बाद एसओजी ने भागीरथ की गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर दबिश दी, लेकिन वह अभी फरार चल रहा है।

अब तक 45 ट्रेनी एसआई गिरफ्तार

एसआई भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 45 चयनित ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी की थी।

वहीं एसआई भर्ती 2021 धांधली मामले में डमी अभ्यर्थी बनकर बैठने वाली वर्षा बिश्नोई को सोमवार सुबह जोधपुर रेंज की टीम ने कोटा से गिरफ्तार किया था। जो काफी समय से स्टूडेंट बनकर फरारी काट रही थी। अब एसओजी वर्षा बिश्नोई से पूछताछ करेगी। वर्षा जालोर के सांचौर के सरनाऊ गांव की रहने वाली है।

भूपेंद्र सारण साल 2011 में जीएनएम भर्ती पेपर आउट प्रकरण और वर्ष 2022 में पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था। वह फिलहाल जेल में है। एटीएस एसओजी ने सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में भूपेंद्र सारण को बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। वहीं एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य रामू राम राईका, उसके बेटे देवेश राईका और बेटी शोभा राईका की भी गिरफ्तारी हुई है।

रामूराम राईका ने अपने बेटे-बेटी के लिए एसआई परीक्षा से 6 दिन पहले ही पेपर की व्यवस्था कर दी थी। रामूराम जानता था कि बेटे-बेटी पेपर को भी एक-दो दिन में पढ़कर पास नहीं कर सकते। इसलिए छह दिन तक दोनों बच्चों को पेपर की तैयारी कराई गई। राईका ने पूछताछ में बताया था कि उसे पेपर तत्कालीन आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा से मिला था।

इसके बाद निलंबित मेंबर कटारा को भी जयपुर सेंट्रल जेल से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया गया। जब देवेश और शोभा से एसओजी ने पूछताछ की तो उन्होंने बताया था कि ट्रेनिंग सेंटर में और भी एसआई हैं, जो पेपर लीक से जुड़े हैं। इसके बाद दिनेश और प्रियंका की गिरफ्तारी हुई थी।

एसओजी को देख पसीने छूटने लगे

एसओजी एएसपी रामसिंह ने बताया कि दिनेश और प्रियंका से इनपुट मिलने के बाद टीम ट्रेनिंग सेंटर पहुंची। जिन पांच ट्रेनी एसआई के नाम सामने आए थे, वे पांचों सेमिनार हॉल में थे। इन्हें हॉल से बाहर बुलाया गया। जैसे ही उनको पता चला कि एसओजी की टीम पूछताछ के लिए आई है तो इनके पसीने छूटने लगे। इसके बाद इनसे हॉल के बाहर ही पूछताछ की गई और फिर इन्हें साथ लेकर एसओजी मुख्यालय आ गई। उन्होंने बताया कि अभी पांचों हिरासत में है और कभी भी इनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा देने वाले सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त किया

जयपुर। सरकारी सेवा में रहते डमी कैंडिडेट बन कर परीक्षा देने वाले एक सरकारी कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। आरोपित ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में पैसा लेकर एक अभ्यर्थी के जगह पर परीक्षा दी थी।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2019 में डमी अभ्यर्थी बैठाने के सम्बन्ध में वर्ष 2020 में एक एफआईआर दर्ज हुई थी।

जिस में अभ्यर्थी नीरज कुमार जाट पुत्र प्रकाश चन्द निवासी नंगला देशवाल, पोस्ट जाटोली थून, थाना डीग, भरतपुर रोल नम्बर 219204254 जिसका परीक्षा केन्द्र मूर्ति देवी पी जी कॉलेज, अनाज मंडी के पास अलवर बाईपास रोड बानसूर में आया था। 6 नवम्बर 2020 को नीरज कुमार जाट के स्थान पर लोकेश कुमार मीना, पर्यवेक्षक (परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी) बसेडी, जिला धौलपुर डमी परीक्षार्थी के रूप बैठ कर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। जिसे गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे निलम्बित कर दिया गया था।

लोकेश कुमार मीना के खिलाफ एसओजी ने एक गलत आचरण की रिपोर्ट विभाग को भिजवाई। लोकेश कुमार मीना को आपराधिक प्रकरण में शामिल पाए जाने एवं चालान पेश होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त ने उसे राजकीय सेवा से तुरन्त प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। एसओजी द्वारा डमी परीक्षा देने वाले एवं पेपर लीक गैंग के सहयोगी राजकीय कर्मी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की दिन प्रतिदिन स्तर पर मॉनिटरिंग जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने पर हरियाणा भाजपा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया को जयपुर आवास पर प्रदेशभर से आये पार्टी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने बधाई दी। पूनिया को उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा, कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर, सुमित गोदारा, सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायक हमीर सिंह भायल, शोभा चौहान, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई, निर्मल कुमावत, रुपाराम मुरावतिया, भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला, जयपुर पूर्व मेयर पंकज जोशी, भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर जिला अध्यक्ष चेतन कुमावत, भाजपा प्रदेश पैनलिस्ट राखी राठौड़, मनीष पारीक, सुरेश गर्ग, अशोक शेखावत, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा सहित प्रदेश भर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं, सांसद, विधायकों ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दवा व्यापारियों से भाजपा में जुड़ने का आव्हान किया

जयपुर। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत जयपुर के फिल्म कॉलोनी में सदस्यता अभियान शिविर लगाया गया। जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने फिल्म कॉलोनी दवा व्यापारियों से भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने का आव्हान किया। अभियान जिला संयोजक शैलेंद्र भार्गव ने कहा कि इसमें एक हजार से अधिक लोगों को सदस्यत बनाया गया। अभियान के दौरान किशनपोल विधानसभा प्रत्याशी चंद्र मोहन बटवाड़ा, हेरिटेज महापौर कुसुम यादव, जयपुर जिला सदस्यता प्रभारी बीपी सारस्वत एवं केमिस्ट एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। भार्गव ने केमिस्ट समुदाय से सदस्य संख्या कम से कम 5000 करने का आव्हान किया।

हाऊसिंग बोर्ड ने ई-नीलामी से बेचीं 246 संपत्तियां

जयपुर। अपने घर का सपना संजोने वाले लोगों को राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से बेहतरीन सौगात दी गई है। समाज के हर वर्ग की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आवासन मण्डल की ओर से शुरू किए गए बुधवार नीलामी उत्सव को लेकर आमजन में काफी उत्साह देखने को मिला।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि आवासन मण्डल की ओर से 9 अक्टूबर को आयोजित किए गए बुधवार नीलामी उत्सव में कुल 246 आवासीय सम्पत्तियों का निस्तारण किया गया। जिसके तहत जयपुर वृत्त प्रथम में 45, जयपुर वृत्त द्वितीय में 1, जयपुर वृत्त तृतीय में 119 जोधपुर वृत्त प्रथम में 51, जोधपुर वृत्त द्वितीय में 23, उदयपुर वृत्त में 6 और अलवर वृत्त में 1 आवासीय सम्पत्तियां शामिल हैं। जिस से मण्डल लगभग 60 करोड़ का राजस्व अर्जित करेगा। इसी कड़ी में कुल 50 व्यावस्यिक संपत्तिया इस बुधवार नीलामी में निस्तारित की गई जिसमे जयपुर वृत्त द्वितीय में 14 भूखंड एवं कोटा वृत्त में 35 भूखंड तथा अलवर वृत्त में 1 निर्मित दुकान शामिल है। जिस से लगभग 6.5 करोड़ का राजस्व मण्डल अर्जित करेगा।

आवासन आयुक्त डॉ.रश्मि शर्मा

- बुधवार नीलामी उत्सव में दिखा आमजन का उत्साह : डॉ. रश्मि शर्मा
- 'इन आवास, फ्लैट्स और भूखंडों में 10 फीसदी भुगतान देकर गृह प्रवेश किया जा सकेगा'

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि मंडल की ओर से 50 फीसदी तक की छूट के साथ उपलब्ध करवाए जा रहे इन आवास, फ्लैट्स और भूखंडों में 10 फीसदी भुगतान देकर गृह प्रवेश किया जा सकेगा। जबकि बाकी भुगतान 156 आसान मासिक किश्तों में किया जा सकेगा। इस योजना में आवेदन के लिए ई-मित्र पर 100 रुपए का शुल्क देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लिया जा सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन प्रस्ताव देने के लिए आवासन मंडल की वेबसाइट पर पूरी जानकारी उपलब्ध करवा दी गई है।

जितेंद्र गोठवाल का स्वागत

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल के जन्मदिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय उनका भव्य स्वागत किया गया। खंडार से जयपुर कार्यालय आते समय रास्ते में कार्यकर्ताओं ने जितेंद्र गोठवाल का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा कार्यालय में महामंत्री जितेंद्र गोठवाल को दुपट्टा पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। भाजपा कार्यालय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जितेंद्र गोठवाल को पुष्प मालाएं पहनाई। इस दौरान कार्यालय सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना के साथ सुरेश गर्ग, खेमचंद शर्मा, भवानी सिंह, कालू मीणा सहित कई कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी।

कॉन्गो फीवर को लेकर प्रदेशभर में सतर्कता बरतने के निर्देश

जयपुर। प्रदेश में कॉन्गो फीवर से एक मौत की पुष्टि होने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेशभर में इस बीमारी की रोकथाम एवं बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अहमदाबाद के एनएचएल म्यूनिसिपल मेडिकल कॉलेज में उपचाराधीन कॉन्गो फीवर से पीड़ित जोधपुर निवासी 51 वर्षीय महिला की बुधवार को मौत हो गई। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी, पुणे में हुई जांच में महिला का सैंपल पॉजिटिव पाया गया।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि जोधपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रभावित क्षेत्र में रेपिड रेस्पॉन्स टीम भेजकर संक्रमण की रोकथाम के लिए निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, क्षेत्र में संदिग्ध एवं सिम्पटोमेटिक रोगियों की ट्रेसिंग कर उन्हें आइसोलेशन में रखने को कहा गया है। डॉ. माथुर ने बताया कि कॉन्गो फीवर एक जूनोटिक वायरल डिजीज है, जो टिक (पिस्सू) के काटने से होती है। इसे देखते हुए पशुपालन विभाग को इस बीमारी से बचाव एवं रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया है।

प्रज्ञा ने शुरू किया योग केन्द्र

जयपुर। नवरात्रि पर धावास इलाके में जगदम्बा नगर स्थित शिव शक्ति योग केंद्र का उद्घाटन बुधवार को जयपुर की पूर्व महापौर एवं वरिष्ठ पार्षद शील धाबाई ने किया। इस कार्यक्रम की आयोजक प्रज्ञा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुईं शील धाबाई को एक छोटी कन्या यशिका के हाथों तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। प्रज्ञा ने बताया कि आज उनके जन्म दिवस पर नए योग केंद्र का शुरू होना उनके लिए बहुत ही खुशी का पल है।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में एक बदमाश ने युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार अशोक वाटिका सांगानेर निवासी ललित आर्य ने मामला दर्ज करवाया कि वह किसी काम से मानसरोवर आया था। यहां पर अंकुश मीणा ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

'सरस' राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज करवायेगा अपनी मौजूदगी

- केन्द्रीय पशुपालन राज्यमंत्री डॉ. बघेल ने दिया विस्तार में सहयोग का भरोसा

जयपुर। राजस्थान में सहकारी क्षेत्र का प्रतिष्ठित सरस मिल्क ब्राण्ड अब दिल्ली, एनसीआर और उत्तर प्रदेश में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करायेगा। भारत सरकार ने राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के दिल्ली, एनसीआर और उत्तर प्रदेश में विस्तार कार्यक्रमों के लिये हर संभव सहायोग का आश्वासन दिया है। यह आश्वासन आज यहा दो दिवसीय राजकीय दौरे पर आये केन्द्रीय पशुपालन राज्यमंत्री डॉ0 एस0पी0 सिंह बघेल ने दिया। राजस्थान में डेयरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में डेयरी विकास की अपार संभावनाऐं हैं और भारत सरकार इस क्षेत्र में राज्य सरकार और आरसीडीएफ को हर संभव मदद मुहैया करायेगी।

इस अवसर पर राज्य के पशुपालन, देवस्थान और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत और डेयरी और ग्रह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने उन्हें बताया कि राईजिंग राजस्थान के दौरान डेयरी के क्षेत्र में 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने आरसीडीएफ एवं जिला दुग्ध संघों की भौतिक एवं आर्थिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ द्वारा गत वित्तीय वर्ष में रिकार्ड लाभ अर्जित किया है। उन्होंने आरसीडीएफ द्वारा दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विस्तार, एक्सपोर्ट, नवाचार, नये सरस उत्पाद जैसे कोल्ड कोफी और डाईट आधारित उत्पाद आदि की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर केन्द्रीय पशुपालन मंत्री बघेल ने आरसीडीएफ के सरस दीवाली गिफ्ट हैंड पैक को भी लॉन्च किया। दीवाली गिफ्ट पैक में सरस उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की तारीफ करते हुए उन्होंने आरसीडीएफ द्वारा दीवाली जैसे बड़े त्यौहार के मौके पर आम उपभोक्ताओं को स्वादिष्ट एवं स्वास्थवर्धक मिठाईयां उपलब्ध कराने के प्रयास की जमकर तारीफ की।

पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ हुए कोर्ट में हाजिर

जयपुर। शहर के बापूनगर के जनता स्टोर पर 24 साल पहले नगर निगम की कार्रवाई के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट के हाथ से कागज फाडने और राजकार्य में बाधा डालने से जुडे मामले में पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ बुधवार को साम्प्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत में पेश हुए। गत सुनवाई को अदालत ने आरोपी सराफ, पूर्व पार्षद इन्द्र संघी, धर्मदास मोटवानी और बंसत चौधरी को पेश होने को कहा था। इस आदेश के पालन में ही सराफ अपने अधिवक्ता के साथ कोर्ट में उपस्थित हुए। कोर्ट ने अब मामले की सुनवाई 5 नवंबर तय की है। यह मामला फिलहाल साक्ष्यों को रिकार्ड पर लेने के स्तर पर चल रहा है। मामले के अनुसार 20 नवंबर 2000 को नगर निगम की चालान काटने की कार्रवाई को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट-19 ने साल 2002 में सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर किया था। इसमें आरोप लगाया था कि कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने उनके हाथ से सरकारी कागज को फाडा और राजकार्य में बाधा पैदा की गई। इसलिए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं आरोपी पक्ष का कहना है कि नगर पालिका अधिनियम की धारा 265 के तहत केवल जयपुर नगर निगम के बोर्ड को ही अभियोजन की मंजूरी देने व चालान काटने का अधिकार है।

सेवा बस्तियों में संचालित प्रकल्पों का वार्षिकोत्सव 12 को

जयपुर। सेवा भारती, जयपुर महानगर की सेवा बस्तियों में संचालित प्रकल्पों का वार्षिकोत्सव 12 अक्टूबर को वैशालीनगर स्थित श्री खंडेलवाल वैश्य महिला महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी के सान्निध्य में आयोजित वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि कोगटा फाउण्डेशन के ट्रस्टी राधाकृष्ण कोगटा होंगे। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी ओमप्रकाश अग्रवाल होंगे। अध्यक्षता जे.के.डी. बिल्डर्स ग्रुप के चैयरमेन जुगल किशोर डेरावाला करेंगे। वार्षिकोत्सव में 170 सेवा बस्तियों के बच्चे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

रेजीडेंट डॉक्टर्स भूख हड़ताल पर बैठे

कलकत्ता के आरजी.कर. मेडिकल कॉलेज में रेजीडेंट महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर डॉक्टर्स ने विरोध-प्रर्दशन किया

जयपुर। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेजीडेंट महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर बीते दो महीने से लगातार विरोध जारी है। जिसके तहत पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए एक बार फिर से देश भर के रेजीडेंट चिकित्सक आंदोलन कर रहे हैं। इसी कड़ी में जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनोहर सियोल का कहना है कि पश्चिम बंगाल की घटना को बीते दो महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पीड़िता को न्याय नहीं मिल पाया है। जिसके बाद पूरे देश के चिकित्सा वर्ग में रोष व्याप्त है। ऐसे में देशभर में इस घटना का विरोध लगातार जारी है। अलग-अलग स्थानों पर भूख हड़ताल की जा रही है। जिसके तहत एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भी रेजीडेंट चिकित्सक भूख हड़ताल पर बैठे हैं। बुधवार को डॉ. मनोहर सियोल, डॉ. सुधांसु सारंण, कविता सिंघल और डॉ. मनीष भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि पीड़िता को न्याय मिले और चिकित्सकों को सुरक्षा ताकि भविष्य में इस तरह का घटनाक्रम दोबारा न हो सके। इसके साथ ही रेजीडेंट चिकित्सकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी और पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से अटेच अस्पतालों में कार्य कर रहे रेजीडेंट हड़ताल रहे। यह हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। दरअसल रेजीडेंट चिकित्सकों ने सरकार पर वादाखिलाफी के आरोप लगाए हैं। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स के प्रेसीडेंट डॉ. मनोहर सियोल का कहना है कि कोलकाता में एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध के विरोध में हडताल की गई थी और सरकार से मांग रखी गई थी कि राजस्थान के मेडिकल कॉलेजों में सुरक्षा व अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके बाद सरकार ने आश्वासन दिया था कि रेजीडेंट चिकित्सकों की मांगों को एक माह में पूरा किया जाएगा। लेकिन अभी तक सरकार ने मांगों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। चिकित्सकों के प्रति प्रशासन का उदासीन रवैया और बार-बार अनुरोध करने के बावजूद लंबित मांगों की अनदेखी से आहत होकर एसएमएस मेडिकल कॉलेज की जीबीएम में रेजीडेंट डॉक्टर कड़ा निर्णय लेने को बाध्य हुए हैं।

कलकत्ता में रेजीडेंट महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर बुधवार को सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में रेजीडेंट्स ने भूख हड़ताल पर बैठकर न्याय की मांग की।

सहकारी बैंकों में 450 पदों पर भर्ती शीघ्र

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को बताया कि प्रदेष के 29 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों तथा राजस्थान राज्य सहकारी बैंक में बैंकिंग सहायक, प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक एवं कम्पयूटर प्रोगामर के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ की जायेगी। उन्होंने बताया कि सहकारी बैंकों में कार्य निष्पादन में जवाबदेही सुनिष्चित करने के लिये रिक्त पदों पर भर्ती की जायेगी। दक ने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं लैम्पस में कार्यरत व्यवस्थापकों के लिये जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में बैंकिंग सहायक के पदों में 20 प्रतिषत पद आरक्षित किये गये हैं ताकि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे व्यवस्थापकों के कार्य अनुभव का लाभ लिया जा सके। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारी बैंकों में पैक्स व्यवस्थापक से बैंकिंग सहायक के पद पर चयन हेतु नियम जारी कर दिये गये हैं। सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि जिला सहकारी बैंकों में 299 पदों पर बैंकिंग सहायक, 92 पदों पर प्रबंधक तथा 7 पदों पर कम्प्यूटर प्रोग्रामार की भर्ती के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक में 46 पदों पर बैंकिंग सहायक, 7 पदों पर प्रबंधक, 5 पदों पर वरिष्ठ प्रबंधक के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भाजपा का सदस्य बनने की अपील की

- 'भाजपा सदस्यता अभियान ने नया इतिहास रचा, मात्र 30 दिन में ही 8 करोड़ से अधिक लोग पार्टी के सदस्य बने'

जयपुर। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से लोकप्रिय भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी कुशल मार्गदर्शन में विकसित भारत और राजस्थान के स्वर्णिम विकास के लिए भाजपा का सदस्य बनने की अपील की है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भाजपा के सदस्यता अभियान ने नया इतिहास रचा है। मात्र 30 दिन में ही 8 करोड़ से अधिक लोग पार्टी के सदस्य बने हैं। राठौड़ ने कहा, 8800002024 पर मिस्ड कॉल या नमो ऐप के माध्यम से बीजेपी परिवार से जुड़कर आत्मनिर्भर-विकसित भारत के सकंल्प को पूरा करने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। राठौड़ ने कहा, अन्य राजनीतिक दलों में किसी खास परिवार या विशेष जाति का व्यक्ति ही पार्टी का अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन भाजपा में एक गरीब घर से आने वाला साधारण व्यक्ति भी देश का प्रधानमंत्री और पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। भारतीय जनता पार्टी देश की एकमात्र पार्टी है, जहां प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री तक, राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक और जिलाध्यक्ष से लेकर मण्डल अध्यक्ष तक, पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को 6 वर्ष बाद अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करवाना होता है। भारतीय जनता पार्टी गांव, गरीब, वंचित, दलित, शोषित, किसान, युवा, महिला सशक्तिकरण की पार्टी है। हमारे कार्यकर्ता सरकार और संगठन के बीच कड़ी का काम करते हैं।

संस्कृत विवि. में अवकाश 25 से

जयपुर (कासं)। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में दीपावली की छुट्टियां 25 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 3 नवंबर तक होगी। कुलसचिव खेमाराम यादव ने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय में सभी शैक्षिणक विभाग एवं अशैक्षिणक कार्यालय बंद रहेंगे। कुलसचिव ने बताया कि दशहरा अवकाश 10 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक रहेगा।

दुबई से लौटे यात्री में मंकी पॉक्स की पुष्टि नहीं हुई

जयपुर। दुबई से जयपुर लौटे यात्री के जांच में मंकी पॉक्स नहीं होने की पुष्टि हुई है। बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में यात्री को मंकी पॉक्स की बीमारी नहीं पाई गई। बल्कि, यात्री को चिकन पॉक्स की समस्या है। ऐसे में मेडिकल स्टाफ ने सभी रिपोर्ट सामान्य आने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया है।

दरअसल, मंगलवार को स्पाइसजेट के विमान से एक यात्री दुबई से जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा था। जहां उसका स्वास्थ्य खराब होने के बाद शुरुआती जांच में यात्री में मंकी पॉक्स के लक्षण पाए गए। ऐसे में वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन की गाइडलाइन को देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसकी जानकारी मेडिकल डिपार्टमेंट को दी। इसके बाद मरीज को एयरपोर्ट से सीधा आरयूएचएस हॉस्पिटल भेजा गया। जहां मरीज को हॉस्पिटल में एडमिट कर उनकी जांच करवाई गई थी। इसके बाद बुधवार को आई जांच के बाद ही पता चला की यात्री को मंकी पॉक्स नहीं बल्कि, चिकन पॉक्स से ग्रसित था। हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर अजीत सिंह ने बताया कि मंकी पॉक्स को लेकर हॉस्पिटल में विशेष व्यवस्था की गई है। एक पूरा फ्लोर सिर्फ मंकी पॉक्स से ग्रसित मरीजों के इलाज के लिए रखा गया है। एयरपोर्ट से आए संदिग्ध मरीज की भी जांच करवाई गई थी। जिसकी रिपोर्ट में मंकी पॉक्स के लक्षण नहीं आने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

बदहाल सड़कों को लेकर सांसद व जन प्रतिनिधियों ने आक्रोश जताया

गरिमा के साथ समस्याओं का समाधान ढूंढें अधिकारी : सांसद रोत

बांसवाड़ा, (निसं)। सांसद राजकुमार रोत ने अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं का समाधान गरिमा के साथ ढूंढें। जिले की बदहाल सड़कों के मामले में उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि रात-दिन घूमते हैं ऐसे में उन्हें स्थितियों का पता है। सांसद रोत टीएडी सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गलतियां और खामियां तो होती है लेकिन यदि ईमानदार प्रयास किये जाएं तो इन्हें दूर किया जा सकता है। उन्होंने नॉन पेचवर्क वाली सड़कों के प्रस्ताव बनाकर भेजने को भी कहा।

दिशा समिति की बैठक में शक्तिपीठ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर मार्ग को लेकर बांसवाड़ा विधायक अर्जुन सिंह बामनिया खासे आक्रोशित हो गये और वे अधिकारियों को चुनौती देते नजर आये। इधर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मुनिमचंद मीणा ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं खड़े रहकर दो दिन तक काम करवाया है। इसी दौरान आक्रोश में आकर बामनिया अपनी सीट से खड़े हो गये तो मीणा भी अपने दावे पर अड़िग नजर आये। उन्होंने कहा कि काम करते हुए झूठे आरोपों से वे दुखी है। उन्होंने अपना मोबाइल निकाला और विधायक व कलेक्टर को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। इससे पूर्व जब विधायक बामनिया ने जिला परिषद् की बैठक के दौरान इस मामले को उठाने की जानकारी देते हुए कहा कि कितना समय हो गया तो मीणा ने कहा कि श्राद्ध पक्ष में कोई काम नहीं होता। इसी बीच सदन के अनेक सदस्य बरसते नजर आये लेकिन मीणा विचलित नहीं हुए। इधर जिला प्रमुख रेशम मालवीया ने अवैध कनेक्सन की जांच कराने तथा घरेलू उपयोग के कनेक्सन से आटा चक्की जैसे व्यावसायिक कार्य करने तथा बिल नहीं भरने की प्रवृत्ति पर रोष जताते हुए इस मामले में कार्यवाही की मांग की।

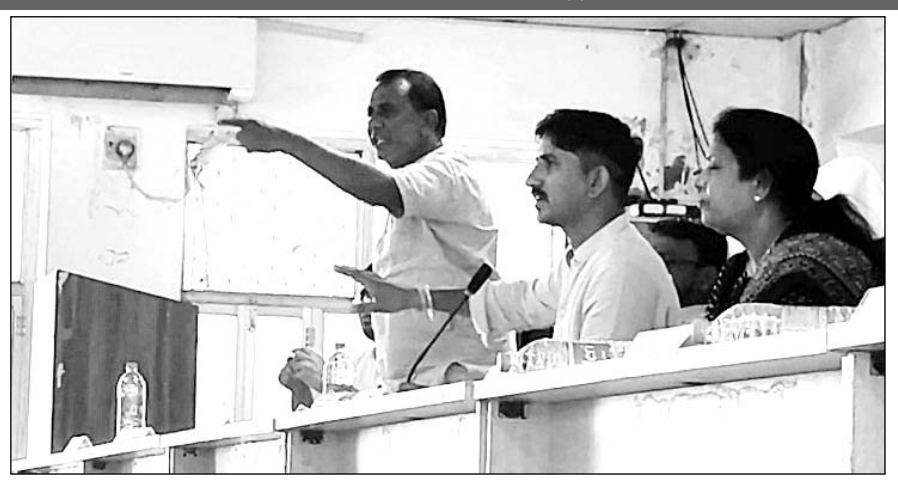

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक में जनप्रतिनिधि आक्रोशित नजर आये।

- सांसद रोत ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक ली

बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल ने कहा कि पांच से दस हजार रुपया तक कनेक्सन के नाम पर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि इसकी व्यवस्थाएं पुख्ता होनी चाहिए। इधर मंडी शुल्क मामले में भी विधायक बामनिया ने सवाल किये। विधायक बामनिया ने कृषि विभाग के अधिकारियों से खाद के स्टॉक के बारे में जानकारी मांगी। सांसद रोत ने खाद बिक्री दुकानों पर मूल्य अंकित करने के निर्देश दिये। विधायक जयकृष्ण पटेल ने कहा कि खाद कालाबाजारी के मामले में कितनी कार्यवाही हुई है और कालाबाजारी रोकने के लिये क्या व्यवस्थाएं की गयी है। खाद की उपलब्धता के लिये रेक डूंगरपुर स्थापित करने का भी सुझाव दिया गया।

वक्ताओं ने बताया कि उदयपुर और चित्तौड़ रेक होने से खाद सप्लाई में समस्याएं होती है। जिला प्रमुख ने कहा कि लाईसेंस प्रक्रिया की जानकारी आमजन को देनी होगी। इसी तरह से सोलर का मामला भी बैठक में गरमाया। जनप्रतिनिधियों ने लक्ष्यों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली वहीं सांसद रोत ने कहा कि अन्य जिले तो लक्ष्य पूरा कर लेते हैं लेकिन बांसवाडा पीछे क्यों है इसके कारणों पर जाना होगा। विधायक अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि जब वे टीएडी मंत्री थे तो 50 से 100 लोगों का पैसा जमा करवाया लेकिन आज तक उन्हें सोलर सुविधा नहीं मिल पायी है। उन्होंने कहा कि जब पिछली सरकार का पैसा जमा है तो वो कार्य तो पूरा होना ही चाहिए। सांसद रोत ने टीएडी विभाग की ओर से संचालित छात्रावासों में उपयोग में लाई जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता के लिये कमेटी गठित कर कार्यवाही करने, झोलाछाप डॉक्टरों पर अंकुश लगाने, आंगनवाडी केन्द्रों में बनने वाले पोषाहार की उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी से जांच कराने, पंचायत स्तर पर अभियान चलाकर श्रमिक कार्ड बनाने, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में गति लाने, केन्द्र व राज्य सरकार की लोक कल्याणरी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, अगली बैठक में पूरी तैयारी के साथ उपस्थित होने के भी निर्देश दिये। जिला कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव ने पहली बैठक में सांसद का स्वागत किया। बैठक समिति सदस्य व जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

"नवो बाड़मेर अभियान" के तहत कार्य शुरु

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने मौके पर पहुंचकर सफाई अभियान का जायजा लिया

बाड़मेर, (निसं)। "नवो बाड़मेर अभियान" के तहत बुधवार को चामुंडा चौराहे एवं चौहटन चौराहे तक हाइवे की सर्विस लाइन पर सफाई अभियान चलाया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों की अगुवाई में चले इस अभियान में नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों के साथ स्थानीय दुकानदारों की सक्रिय भागीदारी रही। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने भी मौके पर पहुंचकर सफाई अभियान का जायजा लेने के साथ आमजन से "नवो बाड़मेर अभियान" में अपनी भागीदारी निभाने एवं बाहर कचरा नहीं फैकने की अपील की। नवो बाड़मेर के तहत बुधवार को प्रात: 7 बजे से मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवणसिंह राजावत, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, आयुक्त विजयप्रतापसिंह, जिला रसद अधिकारी कंवराराम, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक सोमेश्वर देवड़ा, आयोजना अधिकारी नखताराम, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. आर.बी. सिंह, विकास अधिकारी अतुल सोलंकी, अधिशाषी अभियंता राजेन्द्रसिंह समेत विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशन में सफाई अभियान की शुरूआत हुई।

जिला कलेक्टर टीना डाबी के निर्देशानुसार पूर्व में निर्धारित इलाकों में प्रशासनिक अधिकारियों ने सफाई का जिम्मा संभालते हुए हाइवे की दोनों तरफ सर्विस लाइन पर सफाई के कार्य को अंजाम दिया। सफाई कर्मचारियों के सड़क एवं पटरियों के किनारे बिखरे कचरे, रेत एवं झाड़ियों की सफाई की। इस कार्य में जरूरत के अनुसार जेसीबी का भी सहयोग लिया गया।

- कलेक्टरने आमजन से "नवो बाड़मेर अभियान" में अपनी भागीदारी निभाने एवं बाहर कचरा नहीं फैकने की अपील की

मौके पर सफाई करवाने के साथ ट्रैक्टरों एवं ट्रक के माध्यम से कचरे को हटवाया गया। इस दौरान स्थानीय दुकानदारों से सर्विस लाइन पर सामान वगैरह रखकर अतिक्रमण नहीं करने का अनुरोध किया गया। कुछ स्थानों पर सर्विस लेन पर रखे गए सामान को हटवाते हुए संबंधित दुकानदारों को भविष्य में ऐसा नहीं करने के लिए पाबंद किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन एवं नगर परिषद की सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी को देखते हुए कई दुकानदार भी नवो बाडमेर में सहयोग के लिए आगे आए। उन्होंने अपने प्रतिष्ठानों के आसपास सफाई के कार्य को अंजाम दिया। बुधवार दोपहर तक चले सफाई अभियान की बदौलत सर्विस लेन की तस्वीर बदलने के साथ सड़कों पर आवाजाही भी सुगम हो गई। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने चामुंडा चौराहे से चौहटन चौराहे तक चलाए गए सामूहिक श्रमदान एवं सफाई अभियान का निरीक्षण किया।

उन्होंने सफाई अभियान में जुटे अधिकारियों एवं सफाई कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के साथ दुकानदारों एवं स्थानीय लोगों ने सफाई अभियान में सहयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि कचरा इधर-उधर फैंकने के स्थान पर नगर परिषद की ओर से निर्धारित स्थान पर कचरा पात्र में डालें। जिला कलेक्टर ने आमजन एवं दुकानदारों से अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में डस्टबिन रखने तथा उसका इस्तेमाल करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कचरा फैंकते पाए जाने पर नगर परिषद की ओर से नियमानुसार जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की जाएगी।

नवो बाडमेर अभियान की बदौलत बाडमेर शहर में विभिन्न चौराहों एवं सड़कों का जीर्णोद्धार का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा हैं। इसमें भामाशाह अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे है। नवो बाडमेर में हुए समन्वित प्रयासों की बदौलत चौराहों एवं सड़कों की तस्वीर बदलने लगी है। कई चौराहों पर रंग रोगन का कार्य रहा है। वहीं रेलिंग एवं डिवाइडर की मरम्मत के साथ पेटिंग की जा रही है। मुख्य सड़कों के दोनों ओर सफेद पट्टी करवाने के साथ ठेलों को वेडिंग जोन में खडा करने सड़कों पर यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है।

छबड़ा। शक्ति के आराधना का पर्व नवरात्र में इन दिनों गरबा, डांडिया की धूम मची हुई है, जिसमें महिलाएं, युवतियां पारंपरिक परिधानों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रही हैं। अंबेडकर सामुदायिक भवन में राधा-कृष्ण ग्रुप द्वारा आयोजित दो दिवसीय डांडिया महोत्सव का समापन हुआ। ग्रुप अध्यक्षा किरन गर्ग ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष कैलाशचंद जैन थे। अन्य अतिथियों में पूर्व पालिकाध्यक्ष नाथूलाल अग्रवाल, भारत विकास परिषद के प्रांतीय सदस्य ललित अग्रवाल, मालव समाज अध्यक्ष ओम मालव, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष नितिन अग्रवाल, पार्षद रोहित अरोड़ा, श्याम सेवा अध्यक्ष अंकित आदि थे। कार्यक्रम में बेस्ट डांडिया, बेस्ट ड्रेसअप, बेस्ट कपल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आयोजन में उपाध्यक्ष अंजनि बंसल, कोषाध्यक्ष नीतू सिंघल, रेणु कालरा, शिखा नामा, मनीला गर्ग, भावना, कृष्णा, सूरज, मीना, अलका, एकता, कविता, मंजू, सारिका, रेखा, शशि, अरुणा, रजनी, कमलेश, लीना, सुमित्रा, अनिता, रिक्की, मिथलेश, दिशा, हेमा, रीतू, गीतिका, नीतू, प्रियंका, राखी, किरन बंसल सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। मथुरागेट पुलिस ने हत्या के मामले का पर्दाफाश करते हुए बयाना में पहाड़ पर मिले शव को हत्या कर पटकने के मामले में आरोपी मुकटसिंह गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पहाड़ पर ले जाकर हत्या की थी।

जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर मृदुल कच्छावा के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भरतपुर मुख्यालय लालचंद कायल व वृताधिकारी वृत शहर पंकज यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी करनसिंह मय गठित टीम द्वारा थाना मथुरागेट के प्रकरण में बयाना पहाड़ पर ले जाकर हत्या करने के मामले में आरोपी मुकुट सिंह उर्फ ऊधम सिंह पुत्र महाराजसिंह गुर्जर निवासी गढी महरावर थाना सदर बयाना को गिरफ्तार किया है।

फर्जी पट्टा प्रकरण में मां-बेटा गिरफ्तार

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। गांधीनगर थाना पुलिस ने किराये के मकान को हड़पने की नियत से फर्जी पट्टा बनवाकर बैंक से लोन उठाने वाली मां व बेटा को गिरफ्तार किया है। मकान मालिक ने इनकी कथित हरकतों से आहत होकर न्याय नहीं मिलने पर आत्महत्या का प्रयास भी किया।

चितवन गार्डन लक्ष्मीनगर निवासी पीड़ित डालचंद यादव ने 7 फरवरी को गांधीनगर थाना में मामला दर्ज कराया कि मेरे मकान में बतौर किरायेदार रह रही मधु सोनी व इसके बेटे मोनू सोनी ने सुनियोजित षड़यंत्र के तहत आयुक्त व सभापति के फर्जी हस्ताक्षर कर मकान के दो अलग अलग पट्टे बनवा लिये।

दोनों पट्टों से अलग-अलग बैंको से लोन ले लिया। पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर तमाम दस्तावेजों की बारीकी से जांच करने पर मामले का पर्दाफाश हो सका। पुलिस ने मां-बेटे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां मधु सोनी को न्यायिक हिरासत में एवं बेटे सोनू को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया।

हादसे में महिला की मौत

जोधपुर, (कास)। शहर के निकटवर्ती गंगाणी गांव में अपने खेत की तरफ जा रहे दंपती की बाइक नीलगाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर स्लीप हो गई। हादसे में घायल महिला की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। इस बारे में पति की तरफ से करवड़ थाने में रिपोर्ट दी गई। करवड़ स्थित गंगाणी निवासी भगाराम पुत्र बस्तीराम मेघवाल ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। इसमें वह अपनी पत्नी रूपी देवी के साथ बाइक पर खेत की तरफ जा रहा था। तब रास्ते में अचानक आई नीलगाय को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर स्लीप हो गई। हादसे में दोनों घायल हो गए। उसकी पत्नी रूपी देवी की उपचार के बीच मौत हो गई। करवड़ पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया।

धोखे से जमीन बेचकर लाखों रुपये हड़पे

पुलिस ने प्रोपर्टी कारोबारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने प्रोपर्टी कारोबारी के खिलाफ भूखण्ड बेचने का सौदा कर पीड़ितों से लाखों की नकदी वसूल कर हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित नरेन्द्र पुत्र बदा मीणा निवासी बड़वाला खेरवाड़ा, सेठजी की कुण्डाल गेपला फला वलीचा निवासी हीरालाल पुत्र पूना मीणा, टीडी फला विरिया निवासी प्रभूलाल पुत्र रूपा मीणा, भेवरा फला वलीचा सेठजी की कुण्डाल निवासी नरेन्द्र पुत्र पूना मीणा ने प्रेम नगर डूंगला चित्तौड़गढ़ निवासी अखिलेश्वर मोगरा के खिलाफ अलग-अलग प्रकरण पुलिस थाने में दर्ज करवाये। जिसमें पीड़ित नरेन्द्र ने बताया कि बीएसएफ से रिटायर्ड होने के बाद से में जावर माइंस में सिक्यूरिटी गार्ड का काम करता था। इससे पूर्व हिरणमगरी सेक्टर 11 स्थित कॉपरेटिव बैंक लि. में काम करते समय आरोपी अखिलेश्वर से संपर्क हुआ।

बातचीत के दौरान उसने स्वयं को प्रोपर्टी कारोबार करने तथा नया खेड़ा में प्लाटिंग काटने की जानकारी दी। इस पर बातचीत में सौदा तय होने पर मैने भूखण्ड खरीदने के लिए 11 दिसंबर 2022 से 19 मार्च 23 तक 8 लाख 94 हजार 780 रूपये का भुगतान किया। इसी तरह हीरालाल ने 12 दिसबर 2022 से 16 मई 2023 तक 4 लाख 60 हजार रूपये का, नरेन्द्र पुत्र पूना ने 2 लाख रूपये का एवं प्रभूलाल पुत्र रूपा ने आरोपी अखिलेश्वर मोगरा को 6 लाख 30 हजार रूपये का भुगतान किया। कुछ समय बाद संपर्क किया तो उसने रजिस्ट्री करवाने में टालम टोल करना शुरू कर दिया। न तो नकदी लौटाई न रजिस्ट्री करवाई। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच की जा रही है।

युवक का शव मिला, नहीं हुई शिनाख्त

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में बीती रात कामधेनू अण्डरपास के पास एक अज्ञात पुरूष का शव मिला, जिसकी उम्र 30-35 साल है, जो भिखारी जैसा प्रतीत होता है। पुलिस के अनुसार युवक की मौत सम्भवत: किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई जानकारी जुटाने पर ज्ञात हुआ कि युवक मानसिक रूप से विकसित होकर पिछले 4-5 माह से अर्धनग्न अवस्था में कामधेनू सर्किल के आस-पास ही घूमता रहता है, जिसके शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक का रंग सावंला, उम्र 30-35 साल के बीच, सिर पर हल्के काले बाल, हष्ट पुष्ट मजबूत शरीर, बायें ललाट पर खून आलून्दा, रडकनुमा चोटें तथा बांये पेर के नीचे फ्रेक्चर है। शिनाख्त के अभाव में शव मोर्चरी में रखा गया है।

दो युवतियों सहित कई गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाज पुलिस ने बुधवार को स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक कृत्य करते चार युवक व चार युवतियों गिरफ्तार किया। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिला हाजा में चलाये जा रहे संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त अपराधियों की धरपकड़ अभियान के मध्यनजर पुलिस ने भीनमाल में जुजाणी रोड पर स्थित मिलन स्पॉ सेंटर पर भारतीय युवक तथा भारतीय व विदेशी युवतियों द्वारा अनैतिक कार्य करने की सूचना मिलने पर थानाधिकारी भीनमाल मय जाब्ता द्वारा कस्बा भीनमाल में जुजाणी रोड पर स्थित स्पॉ सेंटर पर दबिश देकर संदिग्ध गतिविधियों व अनैतिक कार्य में लिप्त होने की संभावना के मध्यनजर गैरसायलान चार युवक व चार युवतियों को गिरफ्तार किया।

साइबर ठगी की नकदी वसूल कर पीड़ित को लौटाई

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने साइबर ठगी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ठगी की नकदी रिकवर कर पीड़ित को लौटाई।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित रेहाना जारोली निवासी अम्बामाता ने बताया कि ऑनलाइन प्रोडक्ट खरीदने के लिए एमेजन एप पर गई जहां कुछ प्रोडक्ट चैक किए। कुछ समय बाद बिना किसी जानकारी के मेरे एयू बैंक खाते से तीन ट्रांजेक्शन के लिए ओटीपी मिला तथा कुछ समय बाद खाते से तीन टुकडों में 59240 रूपये निकाले जाने की जानकारी मिली।

इसी तरह मो. सलीम छीपा निवासी छीपा कॉलोनी अंबामाता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि एक्सिस बैंक के नाम से लड़की का कॉल आया। उसने क्रेडिट कार्ड सिक्यूरिटी केंसल करने के लिए कॉल करना बताया। इस प्रोसेस के लिए फार्म भरकर भेजने को कहा। इस पर मैने डिटेल भेजी तो कुछ समय बाद मेरे बैक खाते से 87407 रूपये नकदी की ठगी हो गई। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 लाख 46 हजार 647 रूपये रिकवर कर पीड़ितों को लौटाई।

सीजीएसटी की समीक्षा मीटिंग में राजस्व बढ़ाने और करदाताओं की समस्याओं के निदान पर जोर दिया

जयपुर। सीजीएसटी कमिश्नर सुमित कुमार यादव ने नीमराणा में कमिश्नरेट के मुख्यालय और सभी सातों संभाग के कामकाज और सितम्बर- 2024 तक की राजस्व वसूली की समीक्षा मीटिंग ली, जिसमें अधिकारियों के साथ, अपर आयुक्त नरेश सैनी और महेश भारद्वाज, अलवर, भिवाड़ी, बहरोड़, भरतपुर और सीकर के सभी सात संभागों के डिप्टी और असिस्टेंट कमिश्नर, और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस मीटिंग में अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं जैसे राजस्व वसूली ,कर अपवंचना, न्याय निर्णय, रिटर्न्स की स्क्रूटनी, एरियर वसूली, करदाताओं की समस्याओं के शीघ्र निदान पर विस्तार से चर्चा हुई।

कमिश्नर सुमित कुमार यादव ने मीटिंग में सितम्बर 2024 तक 2803 करोड़ रुपए के जीएसटी राजस्व वसूली, जो पिछले साल सितम्बर 2023 तक के 2388.90 करोड़ राजस्व से 415 करोड़ अधिक है, पर संतोष व्यक्त कर राजस्व बढाने के लिए यथोचित प्रयास करने और करदाताओं की समस्याओं के त्वरित निदान के लिए उचित कदम उठाने पर जोर दिया। कमिश्नर सुमित कुमार यादव ने स्वच्छता ही सेवा (2024)- स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता अभियान को कार्यालय के साथ लोक व्यवहार में निरतर अपनाने और करदाताओं के प्रति अधिक संवेदनशील होने की आवश्कता पर जोर दिया और मीटिंग के बाद बहरोड संभाग का भी निरीक्षण और वृक्षारोपण भी किया।

सीजीएसटी कमिश्नर सुमित कुमार यादव ने नीमराणा में कमिश्नरेट के मुख्यालय और सभी सातों संभाग के कामकाज और सितम्बर-2024 तक की राजस्व वसूली की समीक्षा मीटिंग ली।

सीजीएसटी अलवर कमिश्नरेट के अंतर्गत अलवर, तिजारा-भिवाड़ी, बहरोड, खैरथल, भरतपुर, धोलपुर, डीग, करौली, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, झुंझुनू, नीमकाथाना, कोटपुतली क्षेत्रों के 13 जिले आते है जिनमें 7 डिवीज़न और 36 रेंज है। हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, एनसीआर से इसकी सीमा जुड़े रहने और कई राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरने और बड़े इंडस्ट्रियल एरिया होने के कारण अलवर सीजीएसटी महत्वपूर्ण और संवेदनशील आयुक्तालय है। इन सब गतिविधियों के उपरांत, राजस्थान ज़ोन के मुख्य आयुक्त महेंद्र रंगा के आवाह्न पर करदाताओं के साथ बेहतर संचार, तालमेल और सहयोग के लिए अलवर सीजीएसटी कमिश्नर सुमित कुमार यादव ने राजस्थान में पहल- 'एक कदम उन्नित की ओर' अभियान में नीमराणा में सीजीएसटी संभाग बहरोड के शीर्ष ट्रेड और टैक्स प्रोफेशनल एसोसिएशन और करदाताओं से नीमराना में संवाद कर विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता दर्शाई।

- नीमराणा में कमिश्नरेट के मुख्यालय और सभी सातों संभाग के कामकाज और सितम्बर-2024 तक की राजस्व वसूली की समीक्षा मीटिंग हुई

पहल-'एक कदम उन्नित की ओर' के द्वितीय चरण में इन क्षेत्रों के प्रमुख करदाता, शीर्ष ट्रेड और टैक्स प्रोफेशनल एसोसिएशन, जिनमें नीमराणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, बहरोड़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, केसवाना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सोतानाला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, गिलोठ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, शाहजहांपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के शीर्ष पदाधिकारी कृष्ण गोपाल कौशिक, किशन लाल अग्रवाल, रमेश कुमार सांखला, जे. पी. चौधरी, आर. एस. अरोड़ा, विजेंद्र चौधरी और बड़े करदाता ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के वाईस प्रेसिडेंट ए. के. गुप्ता, जी.डी. फूड्स के डायरेक्टर विशाल बग्गा, एम. जी. पॉलिप्लास्ट के मैनेजर सुनील कुमार शर्मा तथा टी.एस. टेक्शन राजस्थान प्राईवेट लिमिटेड के प्लांट हेड विकास मित्तल आदि ने अपने विचार व्यक्त किये और करदाता की समस्यायों पर प्रकाश डाला और सुझाव दिए। सबने क्षेत्र में आकर रुबरु संवाद करने की इस पहल की प्रशंसा की और विभाग द्वारा सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त किया। बहरोड संभाग के अंतर्गत बहरोड़, बानसूर, नीमराणा, मांडण, कोटपूतली, विराटनगर सोतानाला, केसवाना, शाहजहांपुर, मुण्डावर के हजारों करदाता और औद्योगिक इकाईयां आती है। बहरोड में इस प्रकार के पहले कार्यक्रम में कमिश्नरेट के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

संवाद के दौरान सीजीएसटी कमिश्नर ने एसोसिशन और करदाताओं के सवालों के उत्तर दिए और कहा कि व्यवसाय और व्यापार के सुचारू संचालन, करदाता की समस्या-समाधान और विभाग के साथ बेहतर समन्वय के लिए, सीजीएसटी और ट्रेड/टैक्स प्रोफेशनल एसोसिएशन, संगठन, संस्थान को समन्वित कोशिश एक राष्ट्र-एक कर की संकल्पना देश निर्माण और अर्थ व्यवस्था मज़बूत करने में निरंतर अग्रसर है। कार्यक्रम का संचालन सहायक आयक्त सान्या सिंहानिया ने किया।

चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र गैस गोदाम रोड़ पर चाकू से व्यक्ति पर हमला करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार 7 अक्टूबर को पीड़ित पिन्टु देवी पत्नी पुष्कर शर्मा निवासी कोल्यारी झाड़ोल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरे पति पुष्कर हलवाई का काम करते है, 6 अक्टूबर को बेदला से खाना बनाने का काम पूरा कर लेबर को कार में लेकर छोड़ने के लिए गैस गोदाम गये थे। वहां वेणीराम उसके घर छोड़ रहे थे। इसी दौरान मिले मित्र दिनेश पटेल व नारायण से बातचीत कर रहे थे कि अचानक आया एक लड़का मेरे पति पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। जिसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन हमलावर फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश बोरीवाल के सुपरविजन में अम्बामाता थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में एएसआई रणजीतसिंह मय टीम ने हिम्मत पुत्र किशन तेली निवासी कर्मचारी कॉलोनी रामपुरा अम्बामाता को नाथी घाट से गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि पुष्कर से मेरा कोई विवाद नहीं है लेकिन शक्ल अन्य झगड़ालु व्यक्ति से था। रात में उसको देखते ही गलती से चाकू मार दिया। आरोपी हिम्मत के खिलाफ तीन अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखकर खेल से संन्यास लेने के उनके फैसले पर हैरानी जताई।
- दीपा कर्माकर

खेलमंत्री मनसुख मांडविया, दीपा कर्माकर के खेल को अलविदा कहने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ईशान किशन

भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।

क्या आप जानते हैं ?... 19वीं सदी तक बॉक्सिंग को हिंसक खेल माना जाता था और इस पेशेवर खेल से प्रतिबंध 1901 में हटा।

एशियाई टेटे चैम्पियनशिप : भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पक्का कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला।

पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने कजाखस्तान के शीर्ष रैंकिंग के विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगलियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभवी शरत कमल ने तीसरे मैच में ऐडोस केंजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमेंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीतने के बाद पांचवें गेम में 6-1 की बढ़त बनाई।

गेरासिमेंको ने वापसी की कोशिश की लेकिन हरमीत ने पांचवां और निर्णायक गेम जीतकर भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाई। भारत की पुरुष टीम ने 2023 और 2021 में पिछले दो सत्र में कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस जीत के साथ एशियाई चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा।इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहां कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अयहिका मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गई। वहीं मनिका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीर्था मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। दी। मिमा ने इसके बाद मनिका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

बुमराह को पछाड़ सकते हैं ये दो खिलाड़ी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत-बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को खेला जाएगा। ग्वालियर में पहला मैच जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। हालांकि, अरुण जेटली स्टेडियम में उसे 7 साल से जीत का इंतजार है। बांग्लादेश ने भारत के केवल एक टी20 में हराया है। उसे जीत दिल्ली में ही मिली थी। इस जीत को भले ही 5 साल हो गया हो, लेकिन नजमुल हसन शंतो की टीम वापसी करना चाहेगी।ग्वालियर में भारत के लिए अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 3 विकेट लिए थे। हार्दिक पंड्या ने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। 16 गेंद पर 39 रन ठोके थे और 1 विकेट लिया था। अर्शदीप और हार्दिक के पास टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ने का मौका है। हार्दिक पंड्या के 87 विकेट हैं। वहीं, अर्शदीप के 86 विकेट हैं।

भारत ने 86 रन से जीता दूसरा टी-20

नीतीश रेड्डी ने 74 रन बनाए और 2 विकेट भी लिये, बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से भारत आगे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत ने नई दिल्ली में बांग्लादेश को 86 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 221 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सका। भारत से नीतीश रेड्डी ने 34 गेंद पर 74 रन बनाए, उन्होंने फिर बॉलिंग से 2 विकेट भी लिए।

रेड्डी को ही प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। वरुण चक्रवर्ती ने भी 2 विकेट लिए। बांग्लादेश से महमूदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। दूसरा मुकाबला जीतकर भारत ने 3 टी-20 की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा मुकाबला 12 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा।

221 रन के टारगेट के सामने बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सका। टीम से महमूदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। परवेज हसन इमोन ने 16, मेहदी हसन मिराज ने 16, लिटन दास ने 14 और नजमुल हुसैन शांतो ने 11 रन बनाए। बाकी बैटर्स 10 रन से ज्यादा का आंकड़ा भी नहीं छू सके। भारत से नीतीश रेड्डी और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए। जबकि मयंक यादव, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

आईसीसी की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अर्शदीप सिंह ने पहली बार टॉप-10 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, "ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।" बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए।

इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया।

जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला टी-20 विश्वकप : द. अफ्रीका ने स्कॉटलैंड को 80 रनों से हराया

दुबई, 9 अक्टूबर। मैरीजान कप्प (43), तेज़मिन ब्रिट्स (43) और लॉरा वुलफार्ट (40) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने हुए बुधवार को महिला टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 80 रनों से हरा दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 27 गेंदों में पांच चौकों एवं एक छक्के की मदद से (40) रन बनाए जबकि तेजमिन ब्रिटस ने 35 गेंदों का सामना कर पांच चौकों एवं एक छक्के की मदद से (43) रनों का योगदान दिया। वुलफार्ट को फ्रेजर ने बेल के हाथों कैच आउट कराया जबकि ब्रिटस को बेल ने ब्राइस के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद मैरीजान कप्प ने 24 गेंदों में धुंआधार बल्लेबाजी करते हुए (43) रन बना दिए। काप ने इस दौरान छह चौके लगाए। काप को ब्राइस ने कार्टर के हाथों कैच आउट कराया। सुने लूस ने मैच के अंतिम क्षणों में 13 गेंदों का सामना करते हुए दो चौकों की मदद से (नाबाद 18) रन बनाए। उनके साथ अनरी डर्कसन एक रन बनाकर नाबाद रही।

स्कॉटलैंड की ओर से स्लेटर, ब्राइस, बेल, फ्रेजर एवं कार्टर ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरी स्कॉटलैंड टीम शुरु से ही दबाव में रही। अभी टीम का स्कोर 14 रन पहुंचा था कि खाका ने सलामी बल्लेबाज सस्किया हॉली (छह) को ब्रिटस के हाथों कैच आउट कराकर स्कॉटलैंड को पहला झटका दे दिया। दो रन बाद ही ट्राइऑन ने सेरा ब्राइस (05) को अपनी ही गेंद पर खुद ने कैच लेकर वापस पैवेलियन भेज दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर स्कॉटलैंड के विकेट गिरते गए। स्कॉटलैंड की ओर से केवल दो बल्लेबाज एयलसा लिस्टर (12) एवं कैथरीन फ्रेजर (14) दहाई संख्या में पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए स्कॉटलैंड की पूरी टीम 17.5 ओवर में 86 पर समेट कर 80 रनों से मुकाबला जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नोनकुलेलेको ग्लाबा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए जबकि क्लोई ट्राइऑन, नडीन डी क्लर्क ने दो-दो तथा अयाबोंगा खाका, सुने लूस एवं अनरी डर्कसन ने एक एक विकेट लिया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने श्रीलंका को 82 रन से हराया

दुबई, 9 अक्टूबर। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। भारत ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन बनाए और श्रीलंका को 173 रन का टारगेट दिया। जवाब में श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में 90 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत का 98 रन पर पहला विकेट गिरा। स्मृति मंधाना को कंचना और अट्टापट्टू ने रन आउट किया। वह 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटीं। भारत की ओपनर शेफाली वर्मा भी आउट हो गई है। उन्हें चामरी अट्टापट्टू ने गुणारत्ने के हाथों कैच कराया। वह 40 गेंदों में 43 रन बनाकर आउट हुईं। 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर उदेशिका प्रबोधनी ने अमा कंचना के हाथों कैच करा कर जेमिमा रोड्रिग्ज को पवेलियन भेजा।

स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी : वी पोलो और आरपीसी/ कैवेलरी के बीच मैच आज

जयपुर, 9 अक्टूबर। स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल) टूर्नामेंट में रामबाग पोलो मैदान पर वी पोलो ओर आरपीसी/कैवेलरी के बीच शाम4.30 बजे मैच खेला जाएगा। वी पोलो टीम की ओर से निमित मेहता, गौरव सहगल, अंगद कलान, गेरार्डो माज़िनी खेलेंगे वहीं आरपीसी/कैवेलरी में कैप्टन एआरएस वाररिच, लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान, रणशेय पुरोहित, गोंज़ालो यनज़ोन खेलेंगे।

डीपीएल में वाटिका की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। डीएसए प्रीमियर लीग में बुधवार को पहली लीग की विजेता वाटिका एफसी ने पिछड़ने के बाद फ्रेंड्स यूनाइटेड को छकाते हुए 2-1 की रोमांचक जीत दर्ज की। आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये इस मैच में विजेता वाटिका एफसी के लिए कुशाग्र कक्कड़ और अभिषेक बाक्सला ने दमदार गोल जमाए। वहीं दिन के पहले मुकाबले में सीआईएसएफ ने सुदेवा एफसी को गोल शून्य बराबरी पर रोक कर अंक बांटे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए इस दिन ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी टीम इंडिया

14 अक्टूबर के बाद भारत-ए टीम का चयन

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। नवंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉपी का आगाज होगा। इस ट्रॉफी में दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैच खेले जाएंगे जो की 22 नवंबर से शुरू होंगे। खबर के मुताबिक, भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए कम से कम दो सप्ताह पहले यानी नवंबर के पहले हफ्ते में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। दरअसल, रोहित शर्मा ब्रिगेड अपनी ए टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ एक या दो इंट्रा स्क्वॉड अभ्यास मैच खेलेगी।बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसके बाद भारतीय टेस्ट टीम मुंबई से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ए टीम का चयन रणजी ट्रॉफी के पहले दौर के बाद होगा। बीसीसीआई की चयन समिति अगले सप्ताह भारत की अंडर-25 टीम का भी चनय करेगी। इंडिया अंडर-25 टीम मस्कट में खेले जाने वाले एमर्जिंग एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड साउथ अफ्रीका के पिछले दौरे की तरह ऑस्ट्रेलिया में भी भारत और भारत ए के बीच चार दिवसीय मैच का आयोजन कर सकता है।

अंडर-19 टीम : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पारी, 120 रन से हराया और सीरीज भी जीती

चेन्नई, 9 अक्टूबर। अनमोलजीत सिंह (नौ विकेट) और मोहम्मद एनान (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने चार दिवसीय दूसरे टेस्ट मैच में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 277 पर समेटने के बाद उसे दूसरी पारी में 95 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला पारी और 120 से जीत लिया है। इसी के भारत ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली है। मैंच में शानदार गेंदबाजी नौ विकेट लेने वाले अनमोलजीत सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत की घातक गेंदबाजी का आलम यह था कि बुधवार को दिन ऑस्ट्रेलिया के रिकार्ड 17 विकेट गिरे।

ऑस्ट्रेलिया ने कल के तीन विकेट पर 142 रन से आगे खेलना शुरु किया। ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट पर 208 के स्कोर पर ली यंग (66) के रूप में गिरा। यंग को अनमोलजीत ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद क्रिश्चियन होवे (4) पर रनआउट हो गये। ऐडन ओकॉनर (18) को समर्थ नागराज ने अपना शिकार बनाया। इस दौरान कप्तान ऑलिवर पिक ने अपना शतक पूरा किया । ऑलिवर को अनमोलजीत ने बोल्ड आउट किया।

पाकिस्तान में 69 साल बाद विदेशी खिलाड़ी ने किया कमाल, हैरी ब्रूक ने जड़ा शतक का चौका

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। मुल्तान में खेला जा रहा पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट पाकिस्तान के हाथ से निकलता हुआ दिख रहा है। बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को दिन में तारे दिखा दिए हैं। वहीं पहले टेस्ट मैच में हैरी ब्रूक ने शतकीय पारी से रिकॉर्ड्स की लाइन लगा दी है। ब्रूक ने न सिर्फ शतक लगाया बल्कि वह कारनामा कर दिखाया जो कि पिछले 69 सालों में किसी ने नहीं किया।

हैरी ब्रूक ने मुल्तान टेस्ट के तीसरे दिन शतक जड़ा। तीसरे दिन स्टंप्स तक उन्होंने 173 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये हैरी ब्रूक का पाकिस्तान लगातार चौथे टेस्ट में शतक जमाया था। उन्होंने इससे पहले साल 2022 में कराची और मुल्तान में शतक ठोका था। हैरी ब्रूक का ये 6 पारियों में चौथा शतक है। वह पाकिस्तान के खिलाफ उसकी जमीन पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी है। वहीं पाकिस्तान के 69 साल के टेस्ट क्रिकेट में पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार

चार शतक जमाए हैं। 50वें ओवर में बेन डकेट ने 84 रन बनाकर अपना विकेट गंवाया था। उनके बाद ब्रूक बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरे और आते ही उन्होंने स्कोरबोर्ड को तेजी से आगे बढ़ाना शुरू कर दिया था।

जो रूट ने जड़ा 35वां टेस्ट शतक, गावस्कर-लारा समेत चार खिलाड़ी को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीचमुल्तान में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट में खूब रन बन रहे हैं, जहां पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए वहीं अब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने रन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बीच इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का बल्ला पाकिस्तान में भी खूब बोल रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35वां शतक जड़ा है और अब वह टेस्ट क्रिकेट में छटे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को बेहतरीन पारी खेलकर इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा समेत 4 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है।

स्टेट स्नूकर में अमित जैन, दीपक करवा, शंटी सेमीफाइनल में

जयपुर, 9 अक्टूबर। मुरारी श्री मुरारी मेघानी स्मृति स्टेट स्नूकर चैंपियनशिप में आज अमित जैन, दीपक करवा, शंटी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया वही अजमेर केआविश कामरान ने प्री क्वार्टर फाइनल में सौरव जोहरी को 69-0 8, 23-55, 66-20, 66-11 के संघर्षपूर्ण मैच में, हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया वहीं धीरज नाचनी ने मोहम्मद यूसुफ को 51-45, 70-20, 45 -56 72-48 से हराया दीपक करवा ने प्री क्वार्टर फाइनल में निपुण तोमर को 71- 56, 87-18, 85- 50 से हराया। आयोजन सचिव कुणाल मनचंदा के अनुसार आज खेले गए क्वार्टर फाइनल में शंटी ने डॉक्टर धीरज को अमित जैन ने आदित्य गोयंका को और दीपक करवा ने धीरज नाचनी को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाक में नहीं दुबई में होगा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है। वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है।

शिक्षा जैन का शानदार प्रदर्शन, यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर 2024 में किया अंडर-2 स्कोर का कमाल, गोल्ड मेडल अपने नाम किया

जयपुर, 9 अक्टूबर। यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर 2024 के तीसरे मैच में उभरती हुई गोल्फ स्टार शिक्षा जैन ने शानदार खेल दिखाते हुए अंडर-2 स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीत लिया। यह मैच एशिया के बेहतरीन गोल्फ कोर्सों में से एक, आईटीसी गोल्फ कोर्स में हुआ, जहाँ शिक्षा ने 6 बर्डी और 1 ईगल मारते हुए अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया और अपने नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली। यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर युवा गोल्फर्स के लिए एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है, जिसमें देश भर से युवा प्रतिभाएं अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। शिक्षा जैन, जो पहले से ही गोल्फ जगत की उभरती हुई खिलाड़ी मानी जाती हैं, ने आज अपने जबरदस्त खेल से सभी की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए बेहतरीन स्कोर किया। उनकी रणनीतिक खेल की सोच, मानसिक मजबूती, और सटीकता ने उन्हें बाकी खिलाड़ियों से आगे कर दिया।

उपविजेता कृति पारेख ने भी शानदार खेलते हुए 1 ओवर स्कोर किया, लेकिन शिक्षा जैन ने अपने अंडर-2 स्कोर और गोल्ड मेडल से सभी का ध्यान आकर्षित

किया। आईटीसी गोल्फ कोर्स, जो अपने चुनौतीपूर्ण लेआउट के लिए जाना जाता है, में शिक्षा की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया कि वह न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी कितनी मजबूत और तैयार हैं। शिक्षा जैन की इस अद्भुत जीत ने गोल्फ प्रेमियों में उत्साह भर दिया है और यह दर्शाता है कि वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आज का उनका प्रदर्शन न केवल उनकी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि वह गोल्फ जगत में अपने आप को स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर 2024 के बाकी मैचों में सभी की निगाहें अब शिक्षा पर होंगी, यह देखने के लिए कि वह अपनी इस शानदार फॉर्म को कैसे बनाए रखती हैं। शिक्षा जैन की इस उपलब्धि ने उन्हें युवा गोल्फरों में एक प्रेरणा के रूप में स्थापित किया है, और उनके इस गोल्ड मेडल जीतने से यह स्पष्ट है कि वह भारतीय गोल्फ की भविष्य की चमकती सितारा बन चुकी हैं।

राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला प्रतियोगिता में दो मैच आज

जयपुर, 9 अक्टूबर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में जारी 29 वी राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में मंगलवार को दो मैच खेले जाएंगे, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की सुबह आठ बजे होने वाले मैच में पंजाब का मुकाबला छतीसगढ़ से तथा दोपहर को साढ़े तीन बजे मेजबान राजस्थान का मुकाबला उत्तराखंड से होगा। राजस्थान फुटबॉल संघ महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टाक ने बताया की ये दोनों ग्रुप डी के अंतिम मैच है। रविवार से शुरू हुए टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा युवा मामले एवं खेल विभाग सचिव नीरज के पवन ने किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को डूंगरपुर में चौरासी व सलुम्बर उपचुनावों के संदर्भ में भाजपा कार्यकर्त्ताओं की बैठक ली तथा जिले में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की। डूंगरपुर पहुँचने पर पुलिस लाइन हैलीपैड पर उनका स्वागत किया गया व गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जिन्होंने युवाओं को आँसू देने का काम किया है उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा: भजनलाल शर्मा

डूंगरपुर में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश विरोधी बात करने वाले को नहीं बख्शा जायेगा

- **मुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग की आदिवासी बैल्ट, चौरासी व सलुम्बर में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की जीत के बारे में पार्टी कार्यकर्त्ताओं से फीडबैक लिया।**

डूंगरपुर, 9 अक्टूबर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान, चौरासी व सलूम्बर विधान सभा क्षेत्र के आगामी उप चुनावों को लेकर मण्डल स्तरीय कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा, इन दोनों उप चुनावों में पार्टी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग के साथ काम करते हुए जीत सुनिश्चित करें, ताकि क्षेत्र की जनता को विकास के मूलमंत्र के साथ जोड़ा जा सके।

गुरुकुल पी.जी. कॉलेज में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि केन्द्र व राज्य में सत्ता हमारी होने के कारण कार्यकर्ताओं की भावनाओं का पूरा ख्याल रखा जायेगा। साथ ही, उन्होंने चेतावनी भी दी कि देश विरोधी बात करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जायेगा और ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने राज्य के युवाओं को आंसू देने का काम किया है, उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा, युवा अपने भविष्य के प्रति निराश न हों। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ें एवं आगामी उप चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चि करें, ताकि विकास यात्रा को अनवरत गति से जारी रखा जा सके। इस दौरान, दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मण्डल कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने समस्याएं सुनीं तथा हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बुधवार दोपहर को डूंगरपुर के दौरे पर पुलिस लाइन हेलीपेड पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद बोरी में गुरुकुल कॉलेज में चौरासी और सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री ने बंद कमरे में मंत्रणा की तथा कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी थे। पुलिस लाइन हेलीपेड पर राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, सागवाड़ा विधायक शंकर डेचा सहित भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। गुरुकुल कॉलेज में श्रीचंद कृपलानी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह समेत कई नेताओं ने उपरणा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद, मुख्यमंत्री भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। कॉलेज परिसर के हॉल में डूंगरपुर के चौरासी और सलूंबर विधानसभा के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विस्तारक मौजूद थे।

बॉर्डर पर 2,280 किलोमीटर सड़क बनेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में 2,280 किलोमीटर सड़क बनाने की मंजूरी दे दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए यह मंजूरी दी गई है। इस पर 4,406 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

- **केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 4,406 करोड़ रू. की लागत के इस प्रोजैक्ट को मंजूरी दी गई। इसमें राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर पर सड़क बनाई जाएगी।**

यह प्रोजैक्ट सोच में आए बदलाव का नतीजा है, जिसके तहत देश के अन्य भागों की तरह सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास किए जाने को भी महत्व दिया जा रहा है।

इस निर्णय से इन क्षेत्रों में सड़क व दूरसंचार कनैक्टिविटी बढ़ेगी और जल आपूर्ति, स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास होगा, ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधरेगा, यात्रा की सुविधा होगी।

पैंथर ने सायरा के पास दो बछड़ों का शिकार किया

वन विभाग ने पैंथर की तलाश के लिए लाइव स्ट्रीमिंग सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये

- **गोगुंदा से 25 किलोमीटर दूर सायरा के पररादा गाँव के पेट्रोल पम्प के पास सोमवार रात 11:30 बजे पैंथर नज़र आया था।**
- **एमरजैंसी रैस्पाँस टीम को मंगलवार की रात जंगल में पैंथर के ''पग मार्क'' मिले।**

उदयपुर, 9 अक्टूबर (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील में पैंथर अब तक वन विभाग के जाल में नहीं फंसा है, वो टीम को छका रहा है और थका भी रहा है। टीम को पैंथर के पगमार्क मिले हैं और जंगल में अब सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगाये जा रहे हैं। गोगुंदा से करीब 45 किमी दूर सायरा में भी पैंथर के मूवमेंट की जानकारी मिली है।

आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग ने जंगल में लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाए हैं। इससे पहले ट्रेप कैमरे लगवाए गए थे लेकिन उनका डेटा अगले दिन प्राप्त होने के कारण एक्शन लेने में देर हो रही थी। अब सी.सी.टी.वी. कंट्रोल एक्सेस से तुरंत पता चल जाएगा कि पैंथर का मूवमेंट शूटर वाली टीम के आस पास हो रहा है या नहीं।

पैंथर ने मंगलवार रात सायरा थाना क्षेत्र के पदराडा गांव में पूर्व सरपंच हरिसिंह राणावत के घर के परिसर में बंधे दो बछड़ों का शिकार किया। बुधवार सुबह जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 10 दिन से पदराडा गांव के आसपास पैंथर का मूवमेंट बढ़ा है। इससे पहले पैंथर एक गाय का शिकार कर चुका है।

पदराडा के पेट्रोल पंप के समीप भी पैंथर के विचरण की जानकारी मिली है। सुआवतो का गुडा गांव के बंशीलाल मेघवाल ने बताया कि सोमवार रात करीब 11.30 बजे पदराडा के पेट्रोल पंप के पास पैंथर देखा था। मंगलवार दोपहर को सड़क किनारे एक गाय मृत मिली थी। उनका अंदेशा है कि पैंथर ने ही गाय को मारा है। गोगुंदा में पैंथर की तलाश के लिए वन विभाग की टीम बडगांव पंचायत समिति के राठौडों का गुडा और पड़ोसी गांव गोगुंदा के केलवों का खेडा में तैनात है। जयपुर से आई एमरजैंसी रैस्पाँस टीम (ई.आर.टी.) के दल ने बुधवार को भी जंगल को खंगाला। टीम को मंगलवार रात जंगल में पैंथर के पगमार्क मिले थे। पगमार्क के आधार पर पता चला कि पैंथर आगे की तरफ बढ़ता गया है। वन अधिकारियों का मानना है कि पगमार्क से पैंथर के यहीं पर होने का अंदेशा है। दल में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एडिशनल पी.सी.सी.एफ.) वाइल्ड लाइफ, राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप के.आर. और केवलादेव नेशनल पार्क के डी.एफ.ओ. मानस सिंह ने स्थानीय अधिकारियों और ग्रामीणों से भी फीडबैक लिया है।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि सी.सी.टी.वी. कैमरे सोलर ऊर्जा से चलने वाले हैं और इनका एक्सेस एक टीम और कुछ अधिकारियों को दिया गया है। इनसे लगातार निगरानी की जाएगी। उसके बाद जैसे ही पैंथर दिखेगा, तो उसे ट्रेंक्यूलाइज या शूट करने के लिए वहां तैनात टीम को अलर्ट कर दिया जाएगा।

दिवराला सती महिमा मंडन प्रकरण में 8 आरोपी बरी

- **विशेष अदालत ने वर्ष 1989 में हुई इस घटना के महिमा मंडन के मामले में आठ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।**

जयपुर, 9 अक्टूबर। सती निवारण मामलों की विशेष अदालत ने सीकर के दिवराला में वर्ष 1987 में हुए रूप कंवर सती कांड के बाद घटना के महिमामंडन के मामले में आठ आरोपियों, महेन्द्र सिंह, दशरथ सिंह, श्रवण सिंह, निहाल सिंह, जितेन्द्र सिंह, उदय सिंह, लक्ष्मण सिंह और भंवर सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर लगाए गए आरोप को साबित नहीं कर पाया है। ऐसे में उन्हें संदेह का लाभ देना उचित होगा। मामले में वर्ष 2004 में अदालत प्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह राठौड़ और रूप कंवर के भाई गोपाल सिंह राठौड़ सहित 25 लोगों को बरी कर चुकी है, जबकि मूल घटना के बाद गिरफ्तार किए गए 32 लोगों को सीकर की कोर्ट अक्टूबर, 1996 में बरी कर चुकी है।

मामले के अनुसार, जयपुर निवासी रूप कंवर का विवाह दिवराला के मालसिंह के साथ हुआ था। विवाह के करीब सात माह बाद ही मालसिंह की बीमारी से मौत हो गई थी। चार सितंबर, 1987 को 18 वर्षीय रूप कंवर की, अपने पति मालसिंह की चिता के साथ जलकर मौत हो गई थी। इसके बाद 22 सितंबर, 1988 को समाज के लोगों ने दिवराला से अजीतगढ़ तक जुलूस निकाला, लेकिन बारिश के कारण जुलूस ज्यादा आगे नहीं चल पाया। रात करीब आठ बजे 45 लोगों ने ट्रक में बैठकर जुलूस को फिर से शुरू किया। इसके चलते, पुलिस ने इन 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के महज चार दिन बाद ही, पुलिस ने 26 सितंबर को इनके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। लंबी सुनवाई के बाद, अदालत ने इनमें से 25 लोगों को साल 2004 में बरी कर दिया था। मामले में 11 सितंबर, 2019 को आरोपी लक्ष्मण सिंह ने अदालत में समर्पण किया था। इन 45 लोगों में से करीब आधा दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और इतने ही फरार चल रहे हैं।

तीन वैज्ञानिकों को कैमिस्ट्री का नोबल

स्टॉकहोम, 9 अक्टूबर। साल 2024 के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार के विजेताओं का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साईन्सेज़ ने बुधवार को बताया है कि रसायन विज्ञान में 2024 का प्रोटीन पर रिसर्च के लिए पुरस्कार डेविड बेकर, डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को देने का फैसला लिया है। डेविड बेकर को ''कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन'' के लिए के लिए पुरस्कार मिला है। डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर को ''प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रैडिक्शन'' (प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी) के लिए चुना गया है।

रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ के महासचिव हैंस एलेठोन ने बताया है कि इस साल का रसायन विज्ञान का नोबल दो हिस्सों में दिया जा रहा है। एक हिस्से में डेविड बेकर हैं और दूसरे आधे हिस्से में संयुक्त रूप से डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर हैं। डेविड बेकर सिएटल में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में काम करते हैं तथा डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर लंदन में गूगल डीपमाइंड में काम करते हैं।

- **प्रोटीन पर रिसर्च के लिए दिए गए इस अवॉर्ड में आधी पुरुस्कार राशि डेविड बेकर को नये प्रोटीन के निर्माण के लिए तथा आधी राशि डैसीस हसाबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी के लिए दिया गया है।**

बेकर ने पूरी तरह से नए प्रकार के प्रोटीन के निर्माण की लगभग असंभव उपलब्धि हासिल की है। वहीं, हसाबिस और जम्पर ने प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी करने की 50 साल पुरानी समस्या को हल करने के लिए एक ए.आई. मॉडल तैयार किया है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ने कहा है कि बेकर के रिसर्च ग्रुप ने कई प्रोटीन का उत्पादन किया है, जिनका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, टीके, नैनोमटीरियल्स और छोटे सैंसर के तौर में किया जा सकता है।

हरियाणा के निर्दलीयों ने भाजपा को समर्थन दिया

चंडीगढ़ , 09 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा में चुने गये तीनों निर्दलीय विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

चुनाव में तीन निर्दलीय विधायक, सावित्री जिंदल, देवेन्द्र कादियां और राजेश जून, क्रमशः हिसार, गनौर एवं बहादुरगढ़ से चुने गये थे। इनमें से जिंदल और कादियां भाजपा के बागी थे और जून कांग्रेस के बागी थे। हरियाणा भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैन्डल पर यह जानकारी दी है।

भाजपा को 48 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के आँकड़े 46 अधिक थीं, तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलने पर भाजपा ने लिखा है, शगुन की संख्या इक्यावन।

रतन टाटा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केयर यूनिट में भर्ती हैं। उनका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया था।

इसके बाद रतन टाटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया था, मैं ठीक हूं और ज्यादा उम्र के कारण रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गया था।

चिंता की कोई बात नहीं है। 28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा, टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा के परपोते हैं। वे 1990 से 2012 तक ग्रुप के चेयरमैन थे और अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक अंतरिम चेयरमैन थे। रतन, टाटा ग्रुप के चैरिटेबल ट्रस्ट्स के प्रमुख थे।

हरियाणा की जीत का साउथ इफैक्ट

हरियाणा में लगातार तीसरी बार जीतने से दक्षिण भारत में भाजपा की ताकत बढ़ी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत का निश्चित रुप से दक्षिण पर पार्टी के लिए काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, खासकर आंध्र प्रदेश में और तमिलनाडु में।

भाजपा में जन सेना नेता पवन कल्याण के करीब आने के प्रयास चल रहे हैं और कोशिश यह है कि पवन कल्याण को जन सेना का भाजपा में विलय करने के लिए मनाया जाए और हिन्दुत्व की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए कहा जाए। पवन कल्याण इस समय सनातन धर्म को मजबूत करने की बात कर रहे हैं और मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने की बात कर रहे हैं। ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं कि पवन कल्याण से तमिलनाडु में भी यह अभियान चलाने के लिए कहा जाए। फिल्म स्टार से नेता बने पवन कल्याण इस मसले को लेकर सड़कों पर उतर आए है। तमिलनाडु में अन्नामलाई, जो अभी विदेश में हैं, पहले ही मंच तैयार कर चुके हैं। भाजपा नेता चाहते हैं कि तमिलनाडु में पवन कल्याण और अन्नामलाई संयुक्त रुप से अभियान चलाएं। इस जीत ने भाजपा में संगठनात्मक बदलाव को लेकर व्याप्त तमाम संदेहों को खत्म कर दिया है।

- **आंध्र में भाजपा, जन सेना के पवन कल्याण के साथ मिलकर हिंदुत्व मुहिम को शुरु कर चुकी है। तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट से शुरु हुई यह मुहिम मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने तक पहुँच चुकी है, जो निश्चित रुप से चंद्रबाबू को अटपटी स्थिति में ला सकती है।**
- **भाजपा चाहती है कि पवन कल्याण पार्टी सहित भाजपा में आ जाएं और फिर अन्नामलाई के साथ मिलकर तमिलनाडु में भी यह मुहिम शुरु करें।**
- **कर्नाटक में भी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ उग्र अभियान शुरु करेगी।**

संभावना है कि आर.एस.एस. अब भाजपा के अध्यक्ष पद पर अपनी पसंद का नेता लाने की कोशिश कम कर देगी, जिसकी सोशल मीडिया पर भारी चर्चा हो रही थी। अभी तक भाजपा अध्यक्ष मोदी के प्रति निष्ठावान रहे हैं। चर्चा थी कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या फिर संजय जोशी, जो मोदी के खिलाफ हैं, को भाजपा का अध्यक्ष बनाया जाएगा, जो पार्टी मामलों में मोदी और शाह पर अंकुश लगाएंगे।

लेकिन हरियाणा के नतीजों ने भाजपा में भारी बदलाव करने की संघ की शक्तियों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। इससे दक्षिण में पैर फैलाने की पार्टी की ताकत बढ़ी है। अब भाजपा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ राजनैतिक मुहिम तेज करेगी, जो पहले ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण की जन सेना उग्र हिंदुत्व अभियान चला रही है और अगर तेलुगूदेशम की तरफ से कोई आपत्ति होती भी है तो भाजपा व जन सेना उसे दरकिनार कर देंगे। आंध्र के अगले विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों में भाजपा ज्यादा बड़ी ताकत के रुप में मैदान में होगी। अभी भाजपा तेलुगूदेशम और जन सेना के साथ गठबंधन में है, और कुछ सीटें जीती है। पर इस गठबंधन में अब नए समीकरण उभर रहे हैं। खासकर तिरुपति लड्डू विवाद के बाद, जो अब बढ़कर मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की हद तक पहुंच गया है। यह मांग राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण कर रहे हैं। निश्चित रुप से पवन कल्याण इस मांग से तेलुगूदेशम को मुश्किल में डाल सकते हैं क्योंकि 80 के दशक में जब तेलुगूदेशम बनी थी और एन.टी. रामाराव मुख्यमंत्री बने थे, तब आंध्र प्रदेश चैरिटेबल एण्ड हिंदू रिलीज़ियस इंस्टीट्यूशन एण्ड एन्डाऊमैंट्स एक्ट बनाया था जो कि मंदिरों में लोकतांत्रिक काम काज सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था। पवन कल्याण की मांग उस कानून को निरस्त कर मंदिर की सत्ता कुछ ही हाथों में सीमित कर देने की है।

विश्व हिंदू परिषद भी पवन कल्याण के साथ आ गई है और वह देश भर के मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से निकालने और इनका नियंत्रण सनातन धर्म रक्षण बोर्ड को देने की मांग कर रही है।

यह मांग चंद्रबाबू की राजनीति के खिलाफ है, क्योंकि वे हमेशा से धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर रहे हैं।

अदालत ने सी.एम. को विदेश जाने की सशर्त अनुमति दी

जयपुर, 9 अक्टूबर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक जर्मनी और यू.के. जाने की सशर्त अनुमति दे दी है। अदालत ने ये आदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि विदेश जाने से पूर्व यात्रा का विवरण अदालत में पेश किया जाए। इसके अलावा, विदेश यात्रा से आने पर इसकी सूचना तत्काल अदालत में पेश की जाए। अदालत ने कहा कि उनकी अनुपस्थिति के आधार पर अदालत की कार्रवाई में कोई रुकावट नहीं की जाएगी और न अनावश्यक स्थगन ही लिया जाए।

मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि प्रार्थी के खिलाफ एक मामले में 30 सितंबर 2013 को कोर्ट में चालान पेश किया गया था। प्रार्थी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें अक्सर राजकार्य से बाहर जाना पड़ता है। उन्हें ''राइज़िंग राजस्थान'' कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशकों से चर्चा व संवाद और प्रदेश में निवेश के निमंत्रण के लिए 13 से 25 अक्टूबर तक यू.के. व जर्मनी की यात्रा करनी है। पूर्व में भी, इस संबंध में एक व्यक्ति सांवरमल ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया था, जो कोर्ट में पेंडिंग है। उन्होंने अग्रिम जमानत की शर्तों की अवहेलना नहीं की है। केस में कोई नया विवाद या नई पेचीदगियां पैदा नहीं हों, इसके लिए कोर्ट से विदेश जाने की मंजूरी लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए उन्हें विदेश जाने की मंजूरी दी जाए।

- **अनुमति में, विदेश जाने से पहले यात्रा का विवरण तथा वापस आने पर अदालत को तत्काल सूचना देने की शर्त लगाई है।**

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को हरियाणा चुनाव पर 20 शिकायतें सौंपी

आयोग से बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने कहा, 48 घंटे में और शिकायतें पेश करेंगे

- **कांग्रेस नेताओं की शिकायत के अनुसार, सात जगह वोटिंग मशीनें 99 प्रतिशत बैटरी दिखा रही थीं जबकि, सामान्य मशीनें 60-70 प्रतिशत दिखा रही थीं।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त के बाद, जयराम रमेश सहित कई पार्टी नेताओं ने इसे अस्वीकार्य बताया था और चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए थे। इसी के बाद, चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए, वो लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी नहीं सुने गए। साथ ही, कांग्रेस के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बैठक के लिए बुलाया गया। बुधवार शाम को हुई इस बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने बताया कि हमने चुनाव आयोग के सामने अपनी बातें रख दी हैं। बीस शिकायतें हमारे पास थीं। अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह इनके जवाब देगा।

चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आज केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, अजय माकन, जयराम रमेश, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। हमने चुनाव आयोग को हर बात से अवगत कराया। करीब 20 शिकायतें, जो हमारे पास आई थीं, उनमें से 7 लिखित शिकायतों में ऐसी मशीनों का जिक्र था, जो वोटिंग के दिन 99 फीसदी बैटरी दिखा रही थीं। अन्य सामान्य मशीनें 60-70 फीसदी दिखा रही थीं। हमने चुनाव आयोग को इससे अवगत कराया।

पवन खेड़ा ने आगे कहा, हमने मांग की है कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील कर सुरक्षित रखा जाए। हमने चुनाव आयोग को यह भी कहा कि अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह जवाब देगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के नतीजे चौंकाने वाले हैं, क्योंकि सभी को लग रहा था कि कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। सभी सर्वे रिपोर्ट में यही था। जब पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस हर जगह आगे चल रही थी, लेकिन जब ई.वी.एम. की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस पिछड़ रही थी। हमें कई शिकायतें मिली हैं। कई जगहों पर वोटों की गिनती में देरी हुई।

इससे पहले, हरियाणा चुनाव के नतीजों को अस्वीकार्य बताने वाले कांग्रेस नेताओं के बयान पर चुनाव आयोग ने सवाल उठाए। आयोग ने कहा कि देश के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे बयान पहले नहीं सुने गए। ये बोलने की स्वतंत्रता की वैधानिकता से भी परे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं, जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढ ांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं।

अप्रत्याशित हार के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सवाल है, उनका कहना है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में लोकसभा की एक भी सीट नहीं जीत पाई है, फिर भी इस साल हुये लोकसभा चुनावों में, आप ने तीन सीटें कांग्रेस के लिये छोड़ दी थीं। आप नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को, इसका ख्याल रखते हुए ही सही, हरियाणा में आप के लिये कुछ सीटें छोड़नी चाहिये थीं। हालाँकि आप एक भी सीट नहीं जीती है, लेकिन पार्टी को 1.5 प्रतिशत वोट मिले हैं, जिनका कांग्रेस की संभावनाओं पर प्रतिकूल असर हुआ है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महाराष्ट्र एवं झारखंड चुनावों से पहले, आने वाले सप्ताहों में, सीट - शेयरिंग व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पर मित्र दलों का दबाव बढ़ता जायेगा और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की वाली राहुल गांधी की छवि, हरियाणा चुनावों के बाद कमज़ोर हुई है।

हरियाणा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छुटभैये नेताओं को नहीं सौंपने चाहिए तथा बाहरी लोगों की स्फिारिशें को मानने से बचना होगा। और उन्हें इस बात का भी जायज़ा

लेते रहने की जरुरत है कि उनकी नाक के नीचे क्या हो रहा है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908